



श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को पवित्र अमरनाथ गुफा में प्रथम पूजा की। इस पारंपरिक वैदिक अनुष्ठान के साथ ही इस वर्ष की वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा की औपचारिक शुरुआत हो गई है। उपराज्यपाल ने बाबा >> शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने पटेल को दी और कई अहम जानकारीयां

विशेष प्रतिनिधि >>> भोपाल

उद्योग और निवेश को लेकर भी हुई विस्तार से चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लोकभवन जाकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल पटेल को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सहित कई कार्य योजनाओं से अवगत कराया। डॉ. यादव ने राज्यपाल पटेल के साथ रोजगार और निवेश के साथ ज्वलंत अन्य विषयों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री की यूसीसी पर राज्यपाल के साथ खास चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि इस मसले पर अब तक 9 लाख से ज्यादा सुझाव आ चुके हैं और इसे व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। डॉ. यादव ने राज्यपाल के साथ यूसीसी की कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा की।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगुभाई पटेल चर्चा करते हुए

सीएम डॉ. यादव ने की राज्यपाल से मुलाकात बताया-यूसीसी के लिए आए 9 लाख सुझाव

उपलब्धियों पर हुई बातचीत

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्यपाल के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन, गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा में प्रस्तावित शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, 4 कृषि उपजों को प्राप्त जीआई टैग से किसानों को मिलने वाले लाभ, सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार, एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन, औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न प्रयासों एवं उपलब्धियों पर भी चर्चा हुई।

मंत्रिमंडल में अभी 4 पद खाली राज्यपाल से मुलाकात के साथ मंत्रिमंडल में फेरबदल के संकेत

कुछ मंत्रियों को हटाकर नए चेहरे होंगे शामिल

मुख्यमंत्री की राज्यपाल पटेल से मुलाकात को लंबित राज्य मंत्रिमंडल के फेरबदल से जोड़ कर भी देखा जा रहा है। उन्होंने राज्यपाल से संभावित फेरबदल को लेकर भी बातचीत की। मंत्रिमंडल में अभी 4 पद खाली हैं, जबकि परफॉरमेंस के आधार पर कुछ मंत्रियों को हटा कर उनके

स्थान पर नए चेहरों को जगह देने की योजना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार और भाजपा की केंद्रीय टीम के गठन के साथ मंत्रिमंडल में फेरबदल पर काम चल रहा है। इस बारे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की केंद्रीय नेतृत्व के साथ प्रदेश संगठन के साथ चर्चा हो चुकी है। सरकार के कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को हटा कर उन्हें केंद्रीय राजनीति में भी भेजे जाने की चर्चा है।

500 मेगावाट क्षमता वाले नीमच सोलर पार्क और 450 मेगावाट क्षमता वाले शाजापुर सोलर पार्क का लोकार्पण

मिलेगी 2.14 पैसे प्रति यूनिट बिजली, यह देश में सबसे सस्ती

हरिभूमि न्यूज >>> भोपाल

स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मप्र ने सोमवार को हरित विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के साथ अब स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा से इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन उत्तर-पश्चिमी मप्र के नए औद्योगिक ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीमच न केवल मप्र का, बल्कि ग्रीन पावर सेक्टर का ग्लोबल कैपिटल बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नीमच में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी के साथ 500 मेगावाट क्षमता वाले नीमच सोलर पार्क, 450 मेगावाट क्षमता वाले शाजापुर सोलर पार्क के लोकार्पण के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां देश का सबसे बड़ा पंप स्टोरेज बन रहा है। नीमच जिले में कुल 675 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं शुरू हैं। लगभग एक हजार 952 से अधिक मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। सीएम ने कहा कि नए सोलर पार्क से मिलेगी 2.14 पैसे प्रति यूनिट बिजली, यह देश में सबसे सस्ती >>> शेष पेज 4 पर

स्पष्ट एवं हरित ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मप्र ने सोमवार को हरित विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री की मौजूदगी में नीमच में हुआ लोकार्पण समारोह



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी

>>> नीमच को 1553 करोड़ की औद्योगिक इकाइयों और विकास कार्यों की सौगात >>> 38 इकाइयों का लोकार्पण और भूमि पूजन

स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

इन परियोजनाओं से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि 550 मेगावाट क्षमता वाला आगर सोलर पार्क भी निर्माणाधीन है, जिसकी इकाइयों के लिए 2.44 और 2.45 रुपये

प्रति यूनिट की दरें प्राप्त हुई हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद मध्यप्रदेश देश के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादक राज्यों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा तथा स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

रेलवे में स्कॉटलैंड के बाद भारत ही : जोशी

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रदेश के नीमच और शाजापुर को नए सोलर प्रोजेक्ट की सौगात मिली है। विश्व में स्विट्जरलैंड के >>> शेष पेज 4 पर

2 लाख से अधिक जल स्रोतों का जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संत कबीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में सूर्य देवता ऊर्जा के स्रोत हैं। जल गंगा संरक्षण अभियान के तहत 19 मार्च से 30 जून तक कुए, बावड़ी, नदी, तालाब और अन्य सभी जल स्रोतों के संरक्षण के कार्य हुए हैं। राज्य सरकार ने 3 महीने में 10 >>> शेष पेज 4 पर

पन्ना टाइगर रिजर्व से आई खुशखबर



बाघिन पी-652 ने दिया दो शावकों को जन्म, पार्क में जश्न का माहौल

कैमरे में कैद हुई अठखेलियां बाघ पुनर्वासन का गौरवशाली इतिहास दोहराया गया

पन्ना। विश्व प्रसिद्ध पन्ना टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक बेहद आनंदित करने वाली खबर सामने आई है। पार्क के सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक पर्यटन स्थल 'दुधवा सेहा' में एक 6 वर्षीय बाघिन पी-652 ने दो नव्हे शावकों को जन्म दिया है। लगभग द्वाइ महीने के हो चुके ये शावक पहली बार कैमरों में कैद हुए हैं, जिसके बाद से पूरे नेशनल पार्क प्रबंधन में जश्न का माहौल है। सीनियर गाइड आरपी ओमरे के अनुसार, इस जगह पर शावकों का दिखना बेहद ऐतिहासिक है। >>> शेष पेज 4 पर



सोनम रघुवंशी

मेघालय हाईकोर्ट ने बरकरार रखी जमानत

पुलिस की बड़ी गलती से मिली राहत

आजाद ही रहेगी सोनम रघुवंशी राज्य सरकार की अपील खारिज

हरिभूमि न्यूज >>> इंदौर/शिलांग

बहुचर्चित हनीमून मर्डर केस में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को मेघालय हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने शिलांग की निचली अदालत द्वारा सोनम को दी गई जमानत को बरकरार रखा

है। इसके साथ ही कोर्ट ने जमानत रद्द करने की मांग वाली राज्य सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने 10 जून को मामले की सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह सनसनीखेज मामला मई 2025 का है, जब इंदौर के रहने वाले राजा >>> शेष पेज 4 पर

पुण्यस्मृतिपर विनम्र अभिवादन



श्री. कृष्णशास्त्री पुराणिक (१८३९-१९०५)



श्री. विष्णुशास्त्री पुराणिक (१८६४-१९१४)



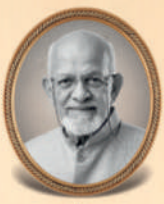
श्री. रामभाऊ पुराणिक (१८८३-१९३३)



श्रीमंत गंगाधर पुराणिक (१९०४-१९८०)



श्री. महादेव पुराणिक (१९१२-१९८४)



श्री. आनंद पुराणिक (१९३४-२०२३)



आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

पूरा ब्रह्मांड सिद्धांतों पर चलता है। प्रकृति उनका पालन करती है और विज्ञान उनका अनुसरण। आयुर्वेद भी उन्हीं पर आधारित है। हजारों वर्षों से इसके सिद्धान्तों का निरंतर अभ्यास हुआ, उन्हें परखा गया और परंपरा स्वरूप उन्हें आगे बढ़ाया गया।

केवल आस्था नहीं, बल्कि प्रमाण के रूप में। वह प्रमाण है सटीकता का, प्रमाण है संतुलन का।

वह प्रमाण कि जब उपचार प्रकृति के अनुरूप होता है, तब स्वास्थ्य उसका स्वाभाविक परिणाम बन जाता है।

सिद्धांत नियम हैं। वे स्वस्थ जीवन की सही दिशा हैं। और जब इन नियमों का पूर्णतः पालन किया जाता है, तब एक अद्भुत परिवर्तन दिखाई देता है - पुनर्स्थापना। जो शरीर के साथ मिलकर कार्य करती है, उसके विरुद्ध नहीं। जो संतुलन को पुनः स्थापित करती है।

विगत १५० से अधिक वर्षों से हम इन सिद्धांतों को गहराई से समझते आए हैं और पूरी निष्ठा के साथ उनका पालन कर रहे हैं। क्योंकि आयुर्वेद अनुमान पर नहीं चलता। इसका आरंभ सही निरीक्षण से होता है। वह उचित अनुशासन से आगे बढ़ता है और अंततः संतुलन के माध्यम से फल देता है।

प्रकृति की तरह उसका स्वरूप बदल सकता है, लेकिन उसके सिद्धांत नहीं। क्योंकि जिस क्षण सिद्धांत बदलते हैं, वह आयुर्वेद नहीं रहता।

आयुर्वेद तभी आयुर्वेद है, जब वह सैद्धांतिक हो।



सागर: आई ड्रॉप की जगह डाल दिया नोजल ड्रॉप

>>> जांच के लिए 3 सदस्यीय टीम गठित >>> भोपाल एम्स के डॉक्टरों ने की संक्रमण की पुष्टि >>> सीएमएचओ बोलें दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज >>> सागर

जिले के बंडा सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान भारी लापरवाही का एक स्तब्ध करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक डेढ़ साल के बच्चे की आंखों में गलत ड्रॉप डालने से



संक्रमण फैल गया, जिससे उसकी आंखों की >>> शेष पेज 4 पर

सुप्रीम कोर्ट ने त्वरित सुनवाई से किया इनकार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

सुप्रीम कोर्ट बोला-आसमान नहीं टूट पड़ेगा, इतनी क्या 'जल्दी' है?

एजेंसी >>> अयोध्या/नई दिल्ली



चंपत राय

राम मंदिर में चढ़ावे और दान के पैसों में कथित चोरी व वित्तीय अनियमितताओं का मामला अब सुप्रीम कोर्ट से लेकर स्थानीय बार एसोसिएशन तक गरमा गया है। सोमवार को इस मामले में कई बड़े घटनाक्रम सामने आए हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार, आरोपियों की न्यायिक हिरासत का

3 दिन में अयोध्या नहीं छोड़ा तो शहर ब्लॉक कर देंगे

फैजाबाद बार एसोसिएशन ने इस मामले को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। एसोसिएशन की आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया है कि कोई भी स्थानीय वकील इन 8 आरोपियों की पैरवी नहीं करेगा। यदि कोई वकील इस फैसले का उल्लंघन करता है, तो उस पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। वकीलों का कहना है कि इस चोरी से करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं >>> शेष पेज 4 पर

आरोपियों के खाते खंगाले गए

इस मामले में गिरफ्तार किए गए सभी 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत को कोर्ट ने 14 दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। पुलिस सोमवार को एसबीआई की अयोध्या धाम शाखा पहुंची, जहां 7 आरोपियों के खाते हैं। पुलिस ने बैंक स्टेटमेंट जख्त कर यह जांचना शुरू कर दिया है कि मंदिर में लोकरी मिलने के बाद से उनके खातों में किजना पैसा आया। >>> शेष पेज 4 पर



वकीलों ने चंपत राय को अयोध्या छोड़ने का दिया अल्टीमेटम

>>> फैजाबाद बार एसोसिएशन ने आरोपियों का केस लड़ने वाले वकील पर 5 लाख जुर्माने का किया ऐलान

>>> चढ़ावा चोरी के 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ी



जल संरक्षण के संस्कार को संजोता मध्यप्रदेश



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल गंगा संवर्धन अभियान (19 मार्च से 30 जून 2026)

समापन समारोह

हर ग्राम पंचायत में विशेष ग्रामसभा
उत्कृष्ट योगदान देने वालों का सम्मान

मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन
नई जल संरचनाओं का लोकार्पण

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

30 जून, 2026

भैंसवामाता, विकासखण्ड सारंगपुर, जिला राजगढ़

सरकार और समाज के
परस्पर सहयोग की मिसाल

₹10,514 करोड़ लागत के
जल संरक्षण एवं संवर्धन के
3.62 लाख कार्य पूर्ण

ग्रामीण क्षेत्र

- ₹1500 करोड़ की लागत से 66,483 खेत-तालाब बनकर तैयार
- 96,992 कूप रीचार्ज संरचनाओं का निर्माण, भू-जल संवर्धन को गति
- 216 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य पूर्ण
- बूंद-बूंद का सुनिश्चित उपयोग, 14,882 सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्रों का विस्तार
- ₹2253 करोड़ के 44,854 अन्य जल संरक्षण कार्य पूर्ण
- 800 से अधिक तालाबों के पाल एवं पिचिंग आदि की मरम्मत, सिंचाई की निर्बाध पहुंच
- 3,832 कि.मी. नहर प्रणालियों की सफाई एवं सिंचाई तंत्र को मजबूती
- 10,000 से अधिक कुएं, नदी एवं बावड़ियों की जनभागीदारी से सफाई

शहरी क्षेत्र

- 3100 से अधिक जल संरचनाएं हुई अतिक्रमण मुक्त
- 9,400 से अधिक नालों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण
- शासकीय एवं आवासीय भवनों में 35,500 से अधिक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणालियां स्थापित

अन्य क्षेत्र

- WOW Application के माध्यम से सभी स्कूलों के जल भंडारण टंकियों की सफाई
- स्कूल एवं आंगनवाड़ी में 1.60 लाख+ पेयजल स्रोतों का परीक्षण
- 6,000 से अधिक पाइप लाइनों में लीकेज सुधार कार्य पूर्ण
- 854 औद्योगिक इकाइयों में स्थापित हुई रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली
- बेतवा, शिप्रा, कान्ह एवं अन्य प्रमुख नदियों के जल का गुणवत्ता परीक्षण एवं नालों का चिह्नांकन

वन क्षेत्र

- 1.30 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य पूर्ण



विहिप के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा हमें दुख है, कष्ट है, हम आहत हुए हैं

राम मंदिर के दोषी जेल में होंगे, न वजीर बचेगा, न राजा : विहिप अध्यक्ष आलोक

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितताओं और दान में हेराफेरी के आरोपों के बाद मंचे घमासान के बीच, विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बड़ा और बेबाक बयान दिया। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ सीधे साक्षात्कार में आलोक कुमार ने दो टूक कहा कि संगठन इस मामले में किसी भी स्तर की लीपापोती के पक्ष में नहीं है। चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की टाइमिंग से लेकर एफआईआर में सिर्फ 'निचले स्तर के कर्मचारियों' के नाम होने जैसे गंभीर सवालों पर उन्होंने दो-टूक कहा कि जांच का दायरा बेहद व्यापक ►►शेष पेज 4 पर



पेश हैं साक्षात्कार के प्रमुख अंश

► इस पूरे प्रकरण पर आपकी पहली प्रतिक्रिया? जिस आंदोलन में हजारों राम भक्तों ने आपके आह्वान पर कुर्बानियां दी थीं, अपना पसीना बहाया था, अपना लहू बहाया था, वो राम मंदिर इस समय विवादों के केंद्र में है। एक राम भक्त के नाते और विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते, किस अनुभूति से गुजर रहे हैं इस समय आप?

► हम सब लोगों की अनुभूति एक सी ही है। दुख है, कष्ट है, हम आहत हुए हैं। राम जन्मभूमि में जो चढ़ावा आता है, कानूनन भी वो श्रीराम जी की अकेले की संपत्ति है। उसमें से एक भी रुपया का चोरी होना, ये तो बहुत अनैतिक है, बहुत दुखद है। ये होना नहीं चाहिए था। मैंने देखा कि ये बात जब ट्रस्टियों के ध्यान में आई, उन्होंने कुछ लोगों से जांच करी। जांच में वो फुट हुई, तो पहला काम और तुरंत करने वाला काम ट्रस्ट ने किया कि मुख्यमंत्री जी को कहा, मामला गड़बड़ है। उच्च पदस्थ लोगों की एसआईटी बनाकर के जांच होना चाहिए।

खबर संक्षेप

मां-बेटी ने फंदे पर लटककर दी जान

कोतमा। कोतमा थाना क्षेत्र के खमरोध गांव में आर्थिक तंगी से परेशान एक मां-बेटी ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 42 वर्षीय मीरा रेवास और उनकी 24 वर्षीय बेटी पुनम रेवास के रूप में हुई है। दोनों के शव घर के पास एकॉत में एक ही पेड़ की दो अलग-अलग डालियों पर लटके मिले। सुसाइड नोट में आर्थिक तंगी और किसी पर बोझ नहीं बनने का जिक्र है।

बोलेंगे ने बाइक सवारों को रौंदा, पिता-पुत्र की मौत

छतरपुर। महोबा रोड पर हमा गांव के पास एक तेज रफ्तार बोलेंगे ने बाइक सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता रामकृपाल सेन और उनके पुत्र संदीप सेन की मौके पर ही मौत हो गई, तीसरा युवक हेमंत कुशवाहा गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित शादी समारोह से लौट रहे थे। फोरलेन निर्माण के बावजूद बैरिकेड्स न लगाने के कारण यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

कचरा वाहन ने बाइक को कुचला, 1 की मौत

रीवा। रीवा-मनगवां मार्ग पर सोमवार दोपहर करीब 2 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बायपास पर सड़क पार कर रहे बाइक सवार तीन युवकों को नगर निगम के एक तेज रफ्तार कचरा ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। बाइक सवार हवा में उछलकर करीब 100 मीटर दूर जा गिरे। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक ट्रक के पिछले पहियों के बीच बुरी तरह फंस गए। स

मानसून करंट में अभी जो कमी बनी हुई है, उसमें सुपर अलनीनो का काफी असर

यह ब्रेक सामान्य नहीं

हरिभूमि न्यूज ►►मोपाल

प्रदेश में मानसून ऑनसेट के 6 दिन बाद भी अधिकांश जिलों में बारिश रफ्तार नहीं पकड़ पाई है। इससे करीब 40 फीसदी हिस्से में अभी सूखे जैसे हालात बने हुए हैं। प्रदेश में 24 जून को मानसून की एंटी हुई थी। लेकिन अधिकांश जिलों में बारिश में कमी से खेतों में बुवाई से लेकर अन्य कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मानसून का यह ब्रेक मौसम विशेषज्ञ सामान्य नहीं बता रहे हैं। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार मानसून करंट में अभी जो कमी बनी हुई है, उसमें सुपर अलनीनो का असर काफी महत्वपूर्ण है। साथ ही नए डब्ल्यूडी भी आने के बाद ज्यादा असर नहीं दिखा रहे हैं। ऐसा अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बनने वाले मानसूनी करंट में अपेक्षाकृत कमी मानी जा रही है। हालांकि, जुलाई के पहले सप्ताह से बारिश में कमी धीरे-धीरे दूर होने लगेगी। लेकिन अगस्त में फिर बारिश में कमी आने का अंदेशा है। प्रदेश में अब तक औसत से 39 फीसदी कम बारिश हुई है। पूर्वी ►►शेष पेज 4 पर

आधे प्रदेश में अभी ‘सूखे’ जैसे हालात

जुलाई के पहले सप्ताह से बारिश में कमी धीरे-धीरे दूर होने लगेगी, लेकिन अगस्त में फिर बारिश में कमी आने का अंदेशा

प्रदेश में अब तक औसत से 39 फीसदी कम बारिश हुई, पूर्वी मग्न में 68 और पश्चिमी मग्न में 11 प्रतिशत की कमी भोपाल में 96.4 मिमी अधिक

►► अलीराजपुर, दमोह, मंडौर, निवाडी, नरसिंहपुर, रीवा, टीकमगढ़, भिंड और दतिया आदि जिलों में बारिश की स्थिति बेहद खराब

►► बारिश में कमी से दिन-रात के पारे में औसतन 9 डिग्री का अंतर रह, उमस कर रही परेशान, आज भी मध्यम बारिश

►► प्रदेश में अभी सुबह की हवा में 80 और शाम को 60 फीसदी तक नमी से मध्यम से हल्की बारिश का दौर जारी

दो दर्जन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी

प्रदेश में बारिश में कमी से दिन-रात के पारे में औसतन 9 डिग्री का अंतर रह गया है। अधिकांश जिलों में औसतन 9 डिग्री का अंतर रहा, जिससे दिन में गर्मी और उमस का असर रहा है। जबकि शाम को कई शहरों में बारिश से कुछ राहत महसूस की गई। प्रदेश में दिन का औसत पारा 35 और रात का 26 डिग्री तक ►►शेष पेज 4 पर

शक्ति भवन में ईओडब्ल्यू का छापा एडिशनल चीफ और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रिश्वत लेते गिरफ्तार



ठेकेदार के 10 लाख के बिल पास करने के बदले मांग रहे थे घूस

जबलपुर। बिजली मुख्यालय शक्ति भवन में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो बड़े अधिकारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अधिकारियों में अतिरिक्त मुख्य अभियंता (एडिशनल चीफ इंजीनियर) प्रहलाद मर्सकोले और कार्यपालन यंत्री (एग्जीक्यूटिव इंजीनियर) चंद्रशेखर मेहरा शामिल हैं। कटनी जिले की बहोरीबंद तहसील में जूनियर इंजीनियर कार्यालय भवन ►►शेष पेज 4 पर

बालाघाट में सनसनीखेज वारदात सराफा कारोबारी से 9 लाख के जेवरों की लूट, सिर भी फोड़ा



फायरिंग कर मागे बदमाश 8 लोगों ने की वारदात

हरिभूमि न्यूज ►►बालाघाट

जिले के लांजी में रविवार रात बाइक सवार आठ नकाबपोश बदमाशों ने एक सराफा व्यापारी पर जानलेवा हमला कर करीब 9 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरों लूट लिए। इस दुस्साहसिक वारदात से स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश और दहशत का माहौल है। पीड़ित सराफा कारोबारी कपिल आसटकर रोजाना की तरह रात करीब 8:30 बजे दुकान बंद कर जेवरों ►►शेष पेज 4 पर

►► आपने बताया कि आहत हैं आप, हर राम भक्त दुखी हैं। पर जब ये शिकायत सार्वजनिक हुई कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं के द्वारा जो भेंट अर्पित की जा रही है, उसमें हेरा-फेरी की जा रही है... तो क्या आप नहीं मानते कि ट्रस्ट ने मामले की संजीदगी को समझने के स्थान पर उसको दकने, छुपाने की कोशिश की? चंपत राय जी तो 10 या 11 तारीख को टीवी पर अपना स्टेटमेंट दे रहे थे कि कहीं कुछ गलत नहीं है, कहीं कुछ ऐसा पाया नहीं गया है। जबकि यादव, जो उनका झाड़वर था, उससे राशि बरामद हो चुकी थी उससे पहले ही। क्या आप नहीं मानते हैं कि जिस संजीदगी के साथ इस पर कार्रवाई होनी थी, उसके स्थान पर बदनामी के मय से पहले दकने-छुपाने की कोशिश हुई? ►► दकने-छुपाने की कोई कोशिश नहीं हुई। केवल तथ्यों को प्राप्त करना और धन को रिकवर करना था। दोनों पद्धतियां हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने दो निर्णयों में कहा है। एसआईटी कुछ तथ्य इकट्ठा कर ले और उसके बाद एफआईआर हो, सुप्रीम कोर्ट ने इस पद्धति को भी ठीक माना है। और उसमें से एक रास्ता चुनना था, उन्होंने चुना। और वह रास्ता कानून सम्मत है। ►► मतलब तुरंत एफआईआर न कराना कोई गंभीर विषय आपकी नहीं लगता? आपको लगता है कि एसआईटी ज्यादा बेहतर चरण था और चंपत राय जी जो उससे एक दिन पहले ही सब कुछ ठीक-ठाक होने का दावा किए, तो उसमें भी आपको कुछ गलत नहीं लगता, आलोक जी? ►► कोई निष्क्रियता नहीं थी। कानूनी और ठोस मार्ग चुनना था। केवल पुलिस के ऑफिसर नहीं, जो रेवेन्यू का काम जानते हैं, जिनको इस तरह के इन्वेस्टिगेशन का अनुभव है, ऐसी तीन लोगों की और बहुत जरूरत लोगों की एसआईटी बनाना था। वही किया गया। अगर कोई इसे गलती मानेगा तो मैं कहूंगा कि यह अज्ञान है। ►► तो मैं अपने अर्द्ध सवाल पर आता हूं। एक आपने बताया कि एसआईटी की जांच हुई, एसआईटी की जांच में जो तथ्य आए उसमें तुरंत एफआईआर हुई। एफआईआर के बाद में फिर यह हुआ कि निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है, तो चंपत राय जी और अबिल मिश्रा जी ने इस्तीफा दे दिया। जितनी देरी इस्तीफे के संदर्भ में हुई, क्या इसे आप नैतिकता के तहत उचित मानते हैं? ►► मैं पहले तो इस बात को नहीं मानता कि विकल्प नहीं रहा। अभी-अभी एक सञ्चान अयोध्या गए थे, काफी आग उगली है। पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। शराब घोटाले के आरोप लगे थे। जमानत की अर्जी रद्द हो गई थी, जेल गए। ►►शेष पेज 4 पर

ग्वालियर में डिजिटल अरेस्ट की ऐसी वारदात 32 दिन तक वीडियो कॉल पर बंधक रहे मां और बेटे 1.57 करोड़ रुपए की ठगी

►► नासिक का लोहा कारोबारी गिरफ्तार

►► ग्वालियर पुलिस को बड़ी कामयाबी



हरिभूमि न्यूज ►►ग्वालियर

ग्वालियर से साइबर ठगी का एक बेहद सनसनीखेज और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शांतिर जालसाजों ने एक रियटायर्ड महिला तकनीशियन और उनके बेटे को पूरे 32 दिन तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। खुद को जांच एजेंसियों का बड़ा अफसर बताकर ठगी ने मां-बेटे से 1.57 करोड़ रुपए ऐंठ लिए। ग्वालियर साइबर सेल ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के नासिक से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला ग्वालियर की रहने वाली मीनाक्षी नाखरे और उनके बेटे अनुभव के साथ घटा। ठगी ने पीड़ित ►►शेष पेज 4 पर

कनीशन के लालच में कारोबारी ने दिया ठगी का साथ

ठगी गई रकम में से 19.50 लाख रुपए नासिक के एक लोहा कारोबारी विठ्ठल फालके की फर्म के करंट अकाउंट में ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर विठ्ठल को उसके घर से दबांच लिया। पृष्ठताछ में आरोपी विठ्ठल ने बताया कि उसके लोहे के धंधे में भारी नुकसान हुआ था। वह ►►शेष पेज 4 पर



खंडवा में 12 घंटे के भीतर पुलिस-प्रशासन का बड़ा प्रहार वनकर्मियों पर हमले के बाद

600 जवान और 30 जेसीबी देख भागे ‘अतिक्रमणकारी’

►► जंगल की जमीन से हटाई 20 झोपड़ियां ►► दोबारा कब्जे से बचाने के लिए खोदे सैकड़ों गड्ढे

हरिभूमि न्यूज ►►खंडवा

जिले में वनकर्मियों पर हुए खूनी हमले के बाद प्रशासन ने बेहद सख्त और ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। गुड़ी वन परिक्षेत्र के आमाखुजरी में वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से मोर्चा संचालित हुए जंगल की जमीन को अतिक्रमणकारियों से मुक्त करा लिया है। भारी पुलिस बल को देखकर अतिक्रमणकारी मौके से पनार हो गए। बीते दिन आमाखुजरी में जब वनकर्मी जंगल की जमीन पर अवैध कब्जे और पेड़ों की कटाई रोकने ►►शेष पेज 4 पर

1266 करोड़ रुपए से बने प्लांट का आज सीएम ऑनलाइन करेंगे लोकार्पण

मल्टी नेशनल कंपनी का उज्जैन में होगा प्लांट

हरिभूमि न्यूज ►►उज्जैन



लोगो को रोजगार मिलेगा। एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर ने बताया कि लगभग 1266 करोड़ रुपए के निवेश से 22 एकड़ क्षेत्र में स्थापित यह अत्याधुनिक संयंत्र पेय पदार्थों के लिए प्लेवर

कंसट्रेंट का निर्माण करेगा। देश में इस प्रकार के प्लेवर कंसट्रेंट निर्माण के केवल दो संयंत्र हैं, जिनमें से एक का उज्जैन में स्थापित होना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। आधुनिक तकनीक एवं उच्च स्तर के ऑटोमेशन से युक्त यह प्लांट कंपनी के प्रमुख ब्रांडों में पेप्सी, माउंटेन ड्यू, ट्रॉपिकाना, लेज, कुरकुरे, गेटोरेड और क्वेकर मानकों के 8 अनुरूप उत्पादन करेगी। पॉप्सिको ►►शेष पेज 4 पर

सीबीएसई का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कई भारतीय भाषाओं में दक्ष बनाना और भाषा सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना है

एजेसी ►►नई दिल्ली

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने नई त्रिभाषा नीति को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि यह बदलाव मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों पर लागू नहीं होगा। नए नियम केवल आने वाले बैच के लिए प्रभावी होंगे। इस फैसले से लाखों छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। कक्षा 7, 8 और 9 में पढ़ रहे मौजूदा छात्रों को आगे चलकर कक्षा 10 में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। जिन छात्रों ने पहले से

सीबीएसई : 10वीं के छात्रों के लिए बड़ा फैसला, त्रिभाषा नीति की नई गाइडलाइन जारी

यह बदलाव मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों पर ‘लागू’ नहीं होगा, नए नियम केवल आने वाले बैच के लिए प्रभावी होंगे



दो विदेशी भाषाएं चुनीं हैं, वे उन्हें जारी रख सकते हैं, लेकिन उनके साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा पढ़ना भी जरूरी होगा। वहीं, कक्षा 9 के सभी छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा। इनमें से कम से कम दो

भारतीय भाषाएं होना जरूरी है, जबकि तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, अरबी या स्पेनिश जैसी गैर-भारतीय भाषा भी चुनी जा सकती है। सीबीएसई का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कई भारतीय भाषाओं में दक्ष बनाना और भाषा सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना है, ताकि उनकी शिक्षा संतुलित और समग्र रूप से विकसित हो सके। बोर्ड चाहता है कि भाषा सीखना केवल भारतीय भाषा पढ़ना भी जरूरी होगा। वहीं, कक्षा 9 के सभी छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा। इनमें से कम से कम दो

कक्षा 9 के छात्रों के लिए टी-लैंग्वेज पॉलिसी

टिप्पणी 1 : अगर आप पहले से दो भारतीय भाषाएं पढ़ रहे हैं (जैसे हिंदी और तमिल), तो आप तीसरी भाषा के रूप में कोई दूसरी भारतीय भाषा या कोई गैर-भारतीय भाषा (जैसे अंग्रेजी या फ्रेंच) चुन सकते हैं। टिप्पणी 2 : अगर आप एक भारतीय और एक गैर-भारतीय भाषा पढ़ रहे हैं (जैसे तमिल और अंग्रेजी), तो आपको तीसरी भाषा चुननी होगी। टिप्पणी 3 : अगर आप दो गैर-भारतीय भाषाएं पढ़ रहे हैं (जैसे अंग्रेजी और फ्रेंच), तो 2026-27 के लिए एक विशेष छूट दी जाएगी। आप क्वेश्चन जांच सकते हैं, लेकिन भारतीय और एक गैर-भारतीय भाषा के रूप में एक भारतीय भाषा जोड़नी अनिवार्य होगी।

नाले पर बनीं 8 दुकानों के सामने अवैध पक्के पिलर-छज्जे पोकलेन मशीन से ढहाए

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने सोमवार को शहर में तीन स्थानों बड़ी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाए। भवन अनुज्ञा शाखा की कार्रवाई के तहत नीलबड़ क्षेत्र में नाले पर अवैध रूप से बने पक्के पिलर, छज्जे पोकलेन मशीन से तोड़े। स्मार्ट सिटी डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की कार्रवाई में सहयोग करते हुए जवाहर चौक सड़कनी नगर में पांच मकानों को खाली कराकर जेसीबी के माध्यम से तोड़ने की कार्यवाही की गई। जबकि एक अन्य कार्रवाई में मेट्रो प्रोजेक्ट में बाधक 7 झुगियां हटाई गईं।

सरस्वती नगर में पांच मकान खाली करवाकर तोड़े



पोकलेन मशीन से तोड़ते अवैध निर्माण।

भवन अनुज्ञा शाखा, मेट्रो प्रोजेक्ट, स्मार्ट सिटी के तहत अलग-अलग हुई कार्रवाई

अलग-अलग अतिक्रमण दलों ने जहांगीराबाद क्षेत्र में नाली के ऊपर रखी फर्शियां, राहुल नगर क्षेत्र में 15 मकानों के सामने नाली पर चबूतरे हटाने की कार्रवाई की। वहीं नीलबड़ क्षेत्र में विद्या विहार स्कूल के आगे स्थित 8 दुकानों के सामने नाले पर अवैध रूप से बने पक्के पिलर व छज्जे पोकलेन मशीन के माध्यम से तोड़े साथ ही जिला प्रशासन की कार्रवाई में सहयोग करते हुए गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, इंद्रपुरी के पास मेट्रो प्रोजेक्ट में बाधक 7 झुगियां हटाई गईं। भोपाल स्मार्ट सिटी डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की कार्यवाई में निगम के अतिक्रमण अमले ने सहयोग करते हुए जवाहर चौक सरस्वती नगर में 5 मकानों को खाली कराकर जेसीबी के माध्यम से तोड़ा।

अतिक्रमण करने वालों पर भी हुआ जुर्माना

स्टेशन बजरिया एरिया में नालियों पर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किया गया था, जिससे नालियों की सफाई में परेशानी बनी हुई थी। इस पर जून-9 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बलवीर मलिक के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के साथ जुर्माने की कार्रवाई भी की और स्पॉट फाइन वसूल किया।

डोबरा, महुआखेड़ा में अवैध कॉलोनी के निर्माण तोड़े

हुजूर क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलने का सिलसिला जारी है। पिछले एक हफ्ते के दौरान पंद्रह से ज्यादा अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया गया है। सोमवार को फिर हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया की टीम ने फतेहपुर डोबरा और महुआखेड़ा में करीब सात एकड़ जमीन पर काटी जा रही अवैध कॉलोनियों की सड़क, बाउंड्रीवॉल और गेटों को जमींदोज कर दिया है। एसडीएम ने बताया कि फतेहपुर डोबरा में 0.405 हेक्टेयर जमीन पर अरसलान खां के नाम से दर्ज जमीन पर अवैध निर्माण किया गया था, जिसे हटाया गया है। तहसीलदार अनुल शर्मा ने बताया कि केरवा के एकटीएल से 33 मीटर दायरे में अवैध निर्माण किया गया था, जिसे नोटिस देकर सुनवाई के बाद हटाया गया है। इधर महुआ खेड़ा में दो जगहों पर करीब पांच



अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई करते हुए अमला।

एकड़ एरिया में अवैध कॉलोनी काटकर प्लॉटिंग की जा रही थी। यह जमीन मीत पाटीदार और खुशीलाल पाटीदार के नाम दर्ज है। टीम ने कॉलोनी की सड़क, बाउंड्रीवॉल और अन्य निर्माणों को ढहा दिया है।

दो स्पेशल ट्रेनों में लगे एक्स्ट्रा कोच, 300 को मिलेंगी कनफर्म बर्थ

भोपाल। गर्मी की छुट्टियों व शायदियों के सीजन के चलते इन दिनों ट्रेनों में लंबी वेटिंग देखने को मिल रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने भोपाल मंडल होकर गुजरने वाली दो स्पेशल ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने का फैसला किया है। इससे बीकानेर, शिर्डी और तिरुपति रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को कनफर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी।

बीकानेर-साईनगर शिर्डी स्पेशल में बढ़ेंगी करीब 140 सीटें: गाड़ी संख्या 04715/04716 बीकानेर-साईनगर शिर्डी साप्ताहिक स्पेशल में एक स्लीपर और एक थर्ड एसी कोच अस्थायी रूप से जोड़ा जाएगा। एक स्लीपर कोच में लगभग 72 सीट और थर्ड एसी में लगभग 64-72 सीट होती हैं। यानी हर फेरे में करीब 136 से 144 अतिरिक्त यात्रियों को यात्रा का अवसर मिलेगा। इससे बीकानेर, जयपुर, कोटा, भोपाल, इटारसी, भुसावल, मनमाड और साईनगर शिर्डी की ओर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

हिसार-तिरुपति स्पेशल में बढ़ेंगी 64 से 72 एसी सीटें: गाड़ी संख्या 04717/04718 हिसार-तिरुपति स्पेशल में एक अतिरिक्त थर्ड एसी कोच लगाया जाएगा। इससे हर यात्रा में करीब 64 से 72 अतिरिक्त यात्रियों को कनफर्म सीट मिल सकेगी। इसका लाभ हिसार, दिल्ली क्षेत्र, भोपाल, नागपुर, विजयवाड़ा और तिरुपति रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को मिलेगा।

सीहोर से रातापानी सबसे लंबा रूट, अचारपुरा से बीडीए कॉलोनी तक सबसे छोटा रूट

शहर में जुलाई से 10 रूट पर 100 ई बसें, टिकटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म से

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

लंबे समय के बाद आखिरकार राजधानी में पीएम-ई बस सेवा की शुरु करने को लेकर कार्य योजना तैयार हो गई है। जुलाई माह के अंत तक 10 रूटों पर 100 बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। जबकि फरवरी-मार्च से इन बसों में शहर में चलने के कयास लगाए जा रहे थे। इसे लेकर नगर निगम ने रूट पहले ही तय कर लिए थे, जबकि बसों की पार्किंग, चार्जिंग, सुरक्षा और देखरेख के लिए संत नगर में आधुनिक डिपो भी बनकर तैयार हो गया है। प्रदेश के अन्य शहरों को यह बसें मिलना भी शुरू हो गई हैं। हालांकि इनका संचालन जुलाई में ही शुरू होगा।

तय रूटों में सबसे लंबा रूट सीहोर से रातापानी करीब 68 किमी का होगा, जबकि अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया से बीडीए कॉलोनी तक करीब 32 किमी तक छोटा रूट रहेगा। पर्यावरण अनुकूल और अलघुनिक सुविधाओं वाली एसी इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत सबसे पहले इंदौर से होगी। पहले चरण में इंदौर के 8 रूटों पर 150, भोपाल के 10 रूटों पर 100 और जबलपुर में 100 ई-बसें चलेंगी। केंद्र सरकार की इस योजना के तहत प्रदेश के छह शहरों में कुल 582 ई-बसें चलाई जाएंगी। बसों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है।

संभावित किराया तय, संचालन करने वाली एजेंसी के होंगे कर्मचारी

संतनगर में डिपो, चार्जिंग, सीसीटीवी और बसों की पार्किंग व्यवस्था का काम पूरा

टिकट और डिजिटल प्लेटफॉर्म चलो एप के माध्यम से



प्रतीकात्मक चित्र

शहर में इन क्षेत्रों के लोगों को मिलेगा लाभ

सीहोर, फंदा, चिरायु अस्पताल, बैरागढ़, कलेक्ट्रेट, हमीदिया अस्पताल, रोशनपुरा, वल्लभ भवन, बोर्ड ऑफिस, चूना भट्टी, मंदाकिनी चौराहा, बीमा कुंज और कजलीखेड़ा, अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, लांबाखेड़ा, करोंद, आरिफ नगर, संगम टॉकीज, रेलवे स्टेशन, सुभाष नगर, वल्लभ भवन, बोर्ड ऑफिस, आरकेएमपी स्टेशन और बीडीए कॉलोनी तक लोगों को ई-बसों में यात्रा करने का मौका मिलेगा।

जुलाई के अंत तक चलने लगेंगी बसें

नगर निगम में एमआईसी परिवहन मंजोर राठौर ने बताया कि ई-बसों के संचालन को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। संचालन के लिए कंपनी तय हो गई है। किराया उच्च स्तरीय कमिटी करेगी। प्रदेश सरकार द्वारा इस पर तेजी से काम चल रहा है। निगम द्वारा संत नगर में डिपो बनकर तैयार हो गया है।

बिलखिरिया में देर रात हादसा बीच सड़क पर खड़े मिनी ट्रक में टकराई कार, मिसरोद थाने हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल घायल

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में ईकोनॉजिकल पार्क के पास रविवार रात मुख्य सड़क पर खराब खड़े मिनी ट्रक में कार घुस गई। इस हादसे में मिसरोद थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल प्रदीप मिश्रा और प्रवीण यादव को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने हेड कांस्टेबल की शिकायत पर मिनी ट्रक के चालक पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार प्रदीप मिश्रा (42) पुलिस लाइन, जहांगीराबाद में रहते हैं और मिसरोद थाने में पदस्थ हैं। मिसरोद थाने में पदस्थ कांस्टेबल प्रवीण यादव के साथ किसी प्रकार की जांच में विवाद गए थे। विवाद से दोनों बायपास होते हुए मिसरोद थाने लौट रहे थे। कार प्रवीण ड्राइवर कर रहा था। रात करीब सवा 11 बजे ईकोनॉजिकल पार्क के पास पहुंचते ही बायपास पर अंधेरे में मुख्य सड़क पर मिनी ट्रक खड़ा हुआ था। ड्राइवर ने बिना



दुर्घटनाग्रस्त कार।

किसी संकेत और लाइट के बिना ट्रक सड़क पर खड़ा कर दिया। कार रफ्तार में थी और एकाएक नजर पड़ी तो सामने मिनी ट्रक खड़ा नजर आया। प्रवीण ने ब्रेक लगाए, लेकिन तब तक कार खड़े मिनी ट्रक में जा घुसी। मिनी ट्रक के पीछे कार का बोनट पूरी तरह से घुस गया था। इस हादसे में प्रदीप मिश्रा को सिर में और कंधे में चोट आई है, जबकि प्रवीण को कंधे में चोट आई है। प्रदीप मिश्रा ने तत्काल घटना की जानकारी एफआरवी को दी। एफआरवी उन्हें लेकर मिसरोद स्थित निजी अस्पताल पहुंची, वहां प्रदीप और प्रवीण का इलाज चल रहा है।

एयर बैग खुलने से बची जान

थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि मिनी ट्रक का अगला पहिया नहीं था। टायर पंचर होने के कारण मिनी ट्रक का ड्राइवर बिना किसी संकेत के ट्रक को मुख्य सड़क पर छोड़कर चला गया। गनीमत रही कि हादसे के बाद बलवैरो

कार के दोनों एयर बैग खुल गए थे। एयर बैग खुलने से सीने में धमस आई है और सिर में मामूली चोट है। यदि एयर बैग नहीं खुलते ही प्रदीप और प्रवीण को गंभीर चोट आ सकती थी। बिलखिरिया पुलिस ने मिनी ट्रक जब्त कर लिया है।

बारिश में होगा सड़कों का रख-रखाव, भरे जाएंगे गड्ढे

जनवरी में जीआईएस और आगामी सिंहस्थ को लेकर तैयारियों की नसीहत

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

बारिश में सड़कों पर पानी भरने की वजह से गड्ढे हो जाते हैं, जिससे वाहन चालक इनमें गिरकर घायल हो जाते हैं। सड़के खराब होने से बारिश के दौरान जाम के हालात भी बन जाते हैं। ऐसे में शहर की सड़कों की निगरानी रखी जाए, जिससे सड़क क्षतिग्रस्त होने पर फौरन मरम्मत की जा सके। सोमवार को संभाष कमिश्नर कर्मवीर शर्मा ने शहर की सड़कों को लेकर नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और अन्य विभागों के अफसरों के साथ बैठक रखी।



नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और अन्य विभागों के अफसरों के साथ बैठक लेते संभाष कमिश्नर।

कमिश्नर ने नगर निगम के इंजीनियर्स को हिदायत देते हुए कहा कि बारिश में जहां से भी सड़कों को लेकर शिकायत मिलती है, वहां कम से कम रिसॉफ्ट टाइम में मरम्मत कराई जाए। आगामी जनवरी में

भोपाल में जीआईएस प्रस्तावित है तो सांची, भोजपुर की सड़कों पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए। मेट्रो के निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कें सुधारने में तत्परता बरतने के निर्देश उन्होंने दिए।

बैरागढ़ एफओबी में देरी पर नाराजगी

कमिश्नर ने संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ में बन रहे ओवर ब्रिज की धीमी गति पर कहा कि निर्माण टाइम लिमिट में पूरा होना चाहिए। उन्होंने सिंहस्थ के समय शहर की बाहरी सड़कों को भी बेहतर रखने की बात कही। भोपाल-सागर-कानपुर मार्ग अधिक ट्रैफिक वाली सड़क है। उन्होंने सड़कों में ब्लैक स्पॉट दूर करने के लिए काम में तेजी लाने की बात कही।

16 साल से नहीं हुई मरम्मत, लोग डालते हैं तालाब में भगवान की प्रतिमाएं

शाहपुरा झील की सुरक्षा जालियां टूटीं, हादसे का खतरा बढ़ा

►► शाम के समय युवा करते हैं इन दीवारों पर बैठकर मत्स्याखेट

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

शाहपुरा झील के किनारे सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की जालियां कई जगह से टूट चुकी हैं। साथ ही जालियों में कई जगह बड़े-बड़े छेद हो गए हैं। वहां अक्सर स्कूल, कॉलेजों के स्टूडेंट्स दोपहर के समय टूटी हुई जालियों के पास खड़े होकर बात करते हैं जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस रेलिंग को करीब 16 साल पहले शाहपुरा

झील के किनारे सुरक्षा के लिए लोहे की जालियां (रेलिंग) और फेंसिंग, झील के सौंदर्योत्तम और विकास कार्यों के तहत वर्ष 2010 से 2015 के बीच लगाई गई थीं।

जब कि झीलों के संरक्षण और प्रबंधन परियोजनाओं के तहत नगर निगम द्वारा इन जालियों की मरम्मत और रखरखाव का काम समय-दर-समय किया जाना था, लेकिन पिछले कई सालों से इसकी मरम्मत नहीं हुई है। वहीं मछली पकड़ने वाले शाम के समय और बारिश में टूटी जालियों की दीवार पर बैठकर मछली पकड़ते हैं, इससे हमेशा डूबने का खतरा बना रहता है।



शाहपुरा लेक की टूटी सुरक्षा जालियां।

लोगों की सुरक्षा पर सवाल...

यहां आने वाले कुछ लोग झन टूटे हिस्सों से झील के किनारे तक पहुंच जाते हैं। सुबह सैर करने आने वाले लोगों ने इसपर नाराजगी जताते हुए नगर निगम अधिकारियों से शिकायत की है। उनका कहना है

नई फेंसिंग कराएंगे...

इन जालियों को जल्द हटाकर नया लगाया जाएगा, साथ ही इनकी फेंसिंग भी जाएगी। पुडरीक छिवेदी एई, नलि

कि यदि जल्द ही मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी के गिरने जैसी गंभीर घटना हो सकती है। साथ ही कुछ लोग आस्था के नाम पर फूलमाला, भगवान की मुर्तियों को टूटी जाली से तालाब में डालते हैं।

छोटे तालाब में दूसरे दिन भी मरीं मछलियां

शहर के छोटे तालाब में सोमवार को भी बड़ी संख्या में मछलियां मृत पाई गईं, जबकि रविवार को मरी मछलियों को तालाब किनारे से हटाने की कार्यवाई निगम के स्वास्थ्य अमले ने की। जानकारी मिलने पर झील संरक्षण प्रकोष्ठ के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। तालाब के खटलापुरा घाट, नीलम पार्क के किनारे और कालीघाट पर बड़ी संख्या में दूसरे दिन मृत मछलियों का ढेर लगा रहा। बताया जा रहा है कि आक्सीजन की कमी होने के कारण मछलियां मर रही हैं।



कालीघाट पर मृत पड़ी मछलियां।

सोमवार को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने तालाब से पानी के सैंपल लेने पहुंची। टीम ने सैंपल लिए हैं और इसकी जांच करेगी।

र किया जायेगा एवं निविदा से संबंधित किसी प्रकार Gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से माहोरे)

(श्री वीरेन्द्र तिवारी)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी

द मुलताई नगर पालिका परिषद मुलताई

चिंतन

छात्रों पर नहीं हो बेवजह का दबाव

आज के प्रतियोगी जमाने में छात्रों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में ज्ञान बढ़ाने के लिए तो अतिरिक्त भाषा ठीक है, लेकिन इसे बेवजह दबाव के रूप में लिया जाना किसी भी रूप में ठीक नहीं होगा। एक तरह से देखा जाए तो त्रिभाषा को लेकर सरकार का फैसला ठीक है। इससे बच्चों पर दबाव कम होगा और छात्र अपनी मर्जी के मुताबिक तीसरी भाषा को चुन पाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत सीबीएसई द्वारा तीन-भाषा नीति को लेकर जारी नई गाइडलाइन ने लाखों छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत दी है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान 10वीं के छात्रों के साथ-साथ अभी 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों को 10वीं बोर्ड में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। हालांकि सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2026-27 में कक्षा छह में प्रवेश लेने वाले नए बच्चों पर तीन-भाषा नीति पूरी तरह लागू होगी। यह निर्णय इसलिए उचित माना जा सकता है, क्योंकि इन छात्रों के पास नई व्यवस्था के अनुसार पढ़ने के लिए पर्याप्त समय होगा। साथ ही स्कूल स्तर पर तीसरी भाषा के मूल्यांकन और आवश्यक छूट का प्रावधान यह संकेत देता है कि बोर्ड चरणबद्ध तरीके से बदलाव लागू करना चाहता है। शिक्षा सुधार में यही संतुलन सबसे अधिक आवश्यक होता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षा सुधार का उद्देश्य छात्रों की क्षमता को बढ़ाना होना चाहिए, न कि उन पर ऐसा अतिरिक्त बोझ डालना, जिससे पढ़ाई तनाव का कारण बन जाए। आज का छात्र पहले ही कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। बोर्ड परीक्षाएं, जेईई, नीट, सीयूईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कोचिंग का बढ़ता चलन और करियर की अनिश्चितता उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में यदि अचानक नई भाषा को बोर्ड परीक्षा के साथ जोड़ दिया जाता, तो यह लाखों छात्रों के लिए अतिरिक्त तनाव का कारण बन सकता है। इसलिए सीबीएसई ने संक्रमण काल के छात्रों को राहत देकर व्यावहारिक और संवेदनशील निर्णय लिया है। अब सरकार को जेन जी विशेषकर स्कूली छात्रों पर फोकस करने की जरूरत है, क्योंकि यह वर्ग हर मामले में सरकार से 100 प्रतिशत डिलीवरी की उम्मीद करता है। कम्प्यूटर युग में पैदा हुए इस वर्ग को तकनीक से भी कोई दिक्कत नहीं है और इसे अपनाने के लिए वह हमेशा से तैयार है। सरकार को भी चाहिए कि वह परीक्षाओं में तकनीक का अधिक से अधिक प्रयोग करे और परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखे। इसमें तकनीक का अहम योगदान हो सकता है और आज का युवा इससे डरता भी नहीं है। सरकार को यह भी समझना होगा कि आज का छात्र केवल डिग्री नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षा और स्पष्ट करियर अवसर चाहता है। यदि नई शिक्षा नीति इन तीनों अपेक्षाओं को पूरा करती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य सफल माना जाएगा। शिक्षा में सुधार का अर्थ केवल पाठ्यक्रम बदलना नहीं, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता को भी हर तरह से मजबूत करना होता है। भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं होती, बल्कि संस्कृति और पहचान का आधार भी मानी जाती है। इसलिए भाषा नीति को किसी भी बोझ के बजाय अवसर के रूप में लागू किया जाना चाहिए। यदि सरकार और शिक्षा बोर्ड पर्याप्त संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ इस नीति को आगे बढ़ाते हैं, तो यह भारतीय भाषाओं को मजबूत करने के साथ-साथ छात्रों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सजगता

डॉ. मोनिका शर्मा



सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की एक कुत्सित कोशिश

हाल में मुंबई में समाज का सौहार्द बिगाड़ने के इरादे से की गई भयावह साजिश का समय रहते खुलासा होने से बहुत बड़ी त्रासदी टल गई। आमजन की सतर्कता और पुलिस की सजगता से हजारों लोगों का जीवन बच गया। साथ ही देश में अस्थिरता और अविश्वास फैलाने का कुत्सित इरादा भी नाकाम हुआ। मुंबई पुलिस द्वारा मुहर्रम जुलूस के दौरान जहरीले कैप्सूल बांटने की साजिश का पर्दाफाश करते हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। आरोपी 'दर्द से राहत' के नाम पर लोगों को जिंक फॉस्फाइड से भरे कैप्सूल बांट रहा था। अब तक उससे 14900 कैप्सूल जमा किए जा चुके हैं। हर कैप्सूल में एक-एक ग्राम जहर डाला गया था यानि आरोपी के पास मिले कैप्सूल्स में चूहे मारने वाला जहर भरा था। ज्ञात हो कि मुंबई के जेजे और भायखला क्षेत्र में चल रहे जुलूस के दौरान इसी जहर से बने कैप्सूल्स कई लोगों को दिए गए थे। कैप्सूल खाने के बाद पेट दर्द और उल्टी होने से लोगों को कुछ शक हुआ तो पुलिस में शिकायत की गई। उसके बाद पुणे के रहने वाले आरोपी फैयाज प्रेम को गिरफ्तार किया गया। समझना कठिन नहीं कि किस तरह व्यापक पैमाने पर मुंबई महानगर को दहलाने की साजिश रची गई थी। लोगों का जीवन छीनने वाला यह षड्यंत्र सीधे-सीधे सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कुत्सित कोशिश भी कहा जा सकता है। हजारों की संख्या में बनाए गए इन कैप्सूल्स को अगर लोग खा लेंते तो कितने ही परिवार उजड़ जाते। जुलूस के बीच इतनी बड़ी संख्या में लोगों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना भी मुश्किल ही होता। इस जहरीली गैस से फेफड़े, हृदय, लीवर और मस्तिष्क बहुत अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। यह गैस कोशिकाओं को ऑक्सीजन लेने से रोकती है। भीड़भाड़ में लोगों को ऐसी स्वास्थ्य समस्याएं होतीं तो अस्पताल पहुंचने में देरी होने से लोगों का जीवन बचाना वाकई आसान नहीं होता। यूं भी जिंक फॉस्फाइड के जहर का कोई एंटीडोट उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इस मामले में एक संभावित बड़ी साजिश स्पष्ट नजर आती है। आरोपी ने अपना अपराध स्वीकारते हुए कहा भी है कि मुझे कम से कम 15 हजार लोगों को मारना था। समझना मुश्किल नहीं कि बिना किसी षड्यंत्र के इरादे के कोई व्यक्ति यूं कैप्सूल्स क्यों बांटेगा? पुणे शहर में पेंट का कारोबार करने वाले आरोपी से पूछताछ में पता चला कि वह मुहर्रम जुलूस को निशाना बनाना चाहता था। ऐसे में पिछले साल ईरान और इराक यात्राओं पर गए इस आरोपी के बारे में और जानकारीयां सामने आना आवश्यक हो गया है, क्योंकि वह किसी छोटी-मोटी साजिश का हिस्सा नहीं था। आरोपी के पास से 50 किलोग्राम जिंक फास्फाइड बरामद होना बहुत सी चिंतनीय स्थितियों और उसके खतरनाक इरातों की ओर इशारा करता है। प्रश्न यह भी है कि हमारे देश में कीटनाशक की श्रेणी में रखे गए जिंक फॉस्फाइड की इतनी बड़ी मात्रा उसे मिली कैसे? गौरतलब है कि भारत में इसकी बिक्री और उपयोग पर कीटनाशक अधिनियम, 1968 और उससे जुड़े नियम लागू होते हैं। यही वजह है कि इस जहरीले रसायन का बड़ी मात्रा में भंडारण नहीं किया जा सकता। चिंतनीय है कि नकारात्मक मानसिकता के लोगों के लिए त्योहार सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मुफीद अवसर बन गए हैं। इतना ही नहीं, ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले अपने इरादों में कामयाब हो जाएं तो हर स्तर पर आतंक-प्रत्यारोप का खेल शुरू हो जाता है। किसी भी समुदाय के उत्सवों पर बड़ी संख्या में एकत्रित हुए लोगों के साथ इई ऐसी जानलेवा साजिश से अविश्वास की खाई और गहरी होती है। देश और समाज खांचों में बंटने लगता है। हालांकि इन अवसरों पर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क रहती हैं पर यूं की गई चालबाजी को पकड़ पाना वाकई मुश्किल होता है। विचारणीय है कि जिस कीटनाशक को बिना लाइसेंस बेचने पर जेल और जुर्माने का प्राविधान है, उसे आमजन में बांटने का दुष्चक्र कोई अकेला ईसान नहीं रक सकता। यही इस घटना का सबसे चिंतनीय पक्ष भी है। ऐसे में आवश्यक है कि इस साजिश की जड़ों तक पहुंचा जाए। न केवल त्वरित जांच बल्कि दोषियों को सजा मिलने में भी देरी ना हो। साथ ही हर संप्रदाय, हर वर्ग के लोग भी जागरूक बनें। बहकावे में आने के बजाय उस व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस-प्रशासन तक पहुंचाएं। कुछ लोगों द्वारा तनाव, हिंसा और अमानवीय सोच के चलते बनाए जा रहे अरुणक्षित परिणामों से व्यक्तिगत सुरक्षा हो या सामाजिक सद्भाव, जनता की साझी कोशिश और सजगता बेहद जरूरी है। नागरिकों की सतर्कता से टली यह अनहोनी देश के हर हिस्से में बसे लोगों के लिए जागरूकता से जुड़ा अहम सकार लिफ है।

(लेखिका स्वतंत्र संतर्ककार है, ये उनके अपने विचार हैं।)



अल नीनो राज कुमार सिन्हा

साल के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मॉनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो की तीव्रता और अनिश्चितता दोनों बढ़ रही हैं, जिससे भारत जैसे मानसून-निर्भर देश के लिए इसके खतरे और गंभीर हो गए हैं। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर की व्यापारिक पवनें (ट्रेड विन्ड्स) गर्म जल को पश्चिम की ओर एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। जब ये पवनें कमजोर पड़ जाती हैं, तब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का समुद्री तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसी स्थिति को अल नीनो कहा जाता है। यह घटना वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदल देती है और भारतीय मानसून को कमजोर कर सकती है। भारत की लगभग आधी कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। देश के जलाशय, भूजल पुनर्भरण, बिजली उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दक्षिण-पश्चिम मानसून पर निर्भर हैं। अल नीनो सीधे मानसून को प्रभावित करता है, इसलिए इसका प्रभाव बहुआयामी होता है। अल नीनो का सबसे बड़ा प्रभाव भारतीय मानसून पर पड़ता है। विगत कई वर्षों के मानसून अध्ययन से पता चलता है कि भारत में बड़े सूखे अल नीनो आए हैं। मानसून कमजोर होने पर वर्षों की माजा घटती है और उसका वितरण भी असमान हो जाता है। देर से मानसून आगमन लंबे “ड्राई स्पेल” हैं और अचानक अत्यधिक वर्षा की घटनाएं सूखा और बाढ़ दोनों का जोखिम बढ़ाता है, अर्थात जलवायु परिवर्तन के कारण अब “कम बारिश” के साथ “अत्यधिक बारिश” की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यानी मानसून कमजोर हो सकता है, लेकिन कुछ दिनों में अत्यधिक बारिश से विनाशकारी बाढ़ भी आ सकती है। पर्यावरण क्षेत्र में काम करने वाले इशांत अवग्रवाल का

भारत के भविष्य पर मंडराता संकट

ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, 2026 के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मॉनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो की तीव्रता और अनिश्चितता दोनों बढ़ रही हैं, जिससे भारत जैसे मानसून-निर्भर देश के लिए इसके खतरे और गंभीर हो गए हैं। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर की व्यापारिक पवनें (ट्रेड विन्ड्स) गर्म जल को पश्चिम की ओर एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। जब ये पवनें कमजोर पड़ जाती हैं, तब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का समुद्री तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसी स्थिति को अल नीनो कहा जाता है। यह घटना वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदल देती है और भारतीय मानसून को कमजोर कर सकती है। भारत की लगभग आधी कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। देश के जलाशय, भूजल पुनर्भरण, बिजली उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दक्षिण-पश्चिम मानसून पर निर्भर हैं। अल नीनो सीधे मानसून को प्रभावित करता है, इसलिए इसका प्रभाव बहुआयामी होता है। अल नीनो का सबसे बड़ा प्रभाव भारतीय मानसून पर पड़ता है। विगत कई वर्षों के मानसून अध्ययन से पता चलता है कि भारत में बड़े सूखे अल नीनो आए हैं। मानसून कमजोर होने पर वर्षों की माजा घटती है और उसका वितरण भी असमान हो जाता है। देर से मानसून आगमन लंबे “ड्राई स्पेल” हैं और अचानक अत्यधिक वर्षा की घटनाएं सूखा और बाढ़ दोनों का जोखिम बढ़ाता है, अर्थात जलवायु परिवर्तन के कारण अब “कम बारिश” के साथ “अत्यधिक बारिश” की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यानी मानसून कमजोर हो सकता है, लेकिन कुछ दिनों में अत्यधिक बारिश से विनाशकारी बाढ़ भी आ सकती है। पर्यावरण क्षेत्र में काम करने वाले इशांत अवग्रवाल का

कहना है कि आमतौर पर मानसून के इस तरह अचानक रूठ जाने या थम जाने का सारा दोष 'ग्लोबल वॉर्मिंग', अल-नीनो या समुद्र के गर्म होने के सिर मढ़ दिया जाता है। भारत के बेहतरीन वैज्ञानिकों की लगातार आ रही रिसर्च ने एक ऐसा कड़वा सच सामने रखा है, जिसके जिम्मेदार कहीं न कहीं हम खुद हैं। विज्ञान कहता है कि मानसून के इस तरह कमजोर होने की एक बहुत बड़ी वजह हमारे ठीक सामने है। बढ़ते शहरीकरण, वनों की कटाई, आद्र्रभूमियों के विनाश और एकल फसल आधारित कृषि पद्धतियों ने स्थानीय जल चक्र को कमजोर किया है। इससे भूमि की नमी घट रही है और

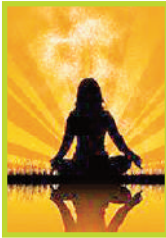


मानसून के पैटर्न में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। भूमि उपयोग में परिवर्तन और वनस्पति आवरण में कमी भी मानसून की अनिश्चितता बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारक बनते जा रहे हैं। भारत को अल नीनो के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। इसमें वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, फसल विविधीकरण, सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा, रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करना, प्राकृतिक एवं जलवायु-अनुकूल कृषि को प्रोत्साहित करना, स्थानीय जल निकायों का संरक्षण और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को मजबूत करना शामिल है। साथ ही शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाकर और हीट एक्शन प्लान लागू करके गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सकता है। लगभग 315 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है और इन जिलों में सिंचाई की व्यवस्था बहुत सीमित है। इनमें से अधिकांश जिले मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के हैं। भारत सरकार ने किसानों के हित और खेती को सुरक्षित रखने के लिए जल प्रबंधन, बीज की उपलब्धता, और वैकल्पिक फसलों पर रणनीति तैयार

एकनिष्ठ भक्ति

अनेक महापुरुष हैं, अनेक देवी-देवता हैं, अनेक मार्ग हैं, किंतु एकनिष्ठता आवश्यक है। इसी कारण इष्ट देवता की अवधारणा है। घर की बहु सास, ससुर, जेठ, जेठानी सबका आदर सम्मान करती है, किसी की अवज्ञा या उपेक्षा नहीं करती। सबकी सेवा करती है, किंतु अपने पति को वह सबसे अधिक चाहती है। इसी तरह तुम भी अपने इष्ट देवता पर दृढ़ एकनिष्ठ भक्ति रखो, जबकि अन्य देवी-देवताओं का सम्मान करो, सबके प्रति श्रद्धा रखो। सभी देव एक ही परमेश्वर के रूप हैं। किंतु किसी एक के प्रति एकनिष्ठ रहो। चौसर के खेल में गोटी सब खानों का चक्कर लगाए बिना लक्ष्य पर नहीं पहुंचती। यदि वो गोटियां जोड़ी बांधकर इकट्ठी चलें तो उन्हें कोई काट नहीं सकता, नहीं तो अकेली गोटी लक्ष्य के पास पहुंचकर पकते-पकते भी कट जा सकती है। इसी प्रकार साधना के मार्ग पर भी यदि गुरु अथवा इष्ट के साथ युक्त होकर आगे बढ़ा जाए तो बाधा विघ्न का भय नहीं रहता, यात्रा निर्विघ्न रूप से सफल हो सकती है। एक बार किसी व्यक्ति ने कहा, इस रास्ते से चले जाओ। थोड़ी दूर चलकर उसने और एक जन से रास्ता पूछा। उसने दूसरा रास्ता बताया। इस तरह वह थोड़ा सा आगे बढ़कर किसी से रास्ता पूछता तो पहले वाले का रास्ता छोड़ उस पर चल देता। ऐसा करते हुए वह रास्तों पर ही भटकता रहा, कलकत्ता नहीं पहुंच पाया। उसे किसी ऐसे व्यक्ति से रास्ता पूछना चाहिए था, जिस पर विश्वास हो कि वह सही मार्ग जानता है।

संकलित दर्शन



सटाका



करंट अफेयर

यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी आखिर क्या है इसकी वजह

यूरोप में चिलचिलाती धूप के कारण तापमान के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और पूरा महाद्वीप भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। मंगलवार और बुधवार को फ्रांस में इतिहास के सबसे गर्म दिन दर्ज किए गए। देश के पश्चिमी हिस्सों में अधिकतम तापमान 39 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया। बुधवार ब्रिटेन के इतिहास में जून का सबसे गर्म दिन रहा, जहां तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, स्पेन, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और स्विटजरलैंड में भी कई स्थानों पर जून के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं। और यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। इस बीच, लोगों की जान भी गई है। एक अध्ययन में, जून 2025 में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड में पड़ी भीषण गर्मी का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि यदि मानव गतिविधियों से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रभाव न होता, तो ऐसी भीषण गर्मी लगभग 50 वर्षों में केवल एक बार आती। लेकिन मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान में हुई 1.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि ऐसी भीषण गर्मी की स्थिति अब 50 वर्ष में एक बार नहीं, बल्कि कम से कम हर पांच वर्ष में एक बार देखने को मिल रही है।



ऑफ बीट

क्या युवाओं में कैसर के लिए रसायन जिम्मेदार हैं

पहले कैसर को आमतौर पर बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था लेकिन अब 50 साल से कम उम्र के लोगों में कैसर के मामले बढ़ रहे हैं, जो चिंताजनक है। आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका में आपके डीएनए की एक प्रति होती है – जो उस कोशिका को ठीक से कार्य करने का निर्देश देती है। हालांकि, डीएनए में ऐसे तारों से म्यूटेशन हो सकता है जिससे वह कोशिका अपना वह कार्य करना बंद कर देती है जो उसे करना होता है। कुछ म्यूटेशन कोशिका को अनियंत्रित रूप से बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। कुछ म्यूटेशन इसे मरने से बचाते हैं। और कुछ इसे शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं जहां यह नहीं होना चाहिए। डीएनए में अधिक मात्रा में म्यूटेशन कैसर को जन्म दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संयोगवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्यूटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्यूटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

की गई है। 315 संवेदनशील जिलों को चिन्हित कर विशेष रूप से खरीफ फसलों जैसे धान और मक्का की सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। कम बारिश होने की स्थिति में किसानों को कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों और सूखे के प्रति सहनशील बीजों की आपूर्ति की जा रही है। रायच स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई गई हैं, जो बारिश, जल स्तर और बीज-खाद की आपूर्ति पर लगातार नजर रख रही हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि अभी भी केंद्रीय भूमिका निभाती है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर किसानों पर पड़ता है। धान, गेहूं, दाल, गन्ना और तिलहन उत्पादन में गिरावट होती है, जिससे किसानों की बुवाई प्रभावित और सिंचाई लागत में वृद्धि होती है। हाल के वर्षों में सरकार को चीनी निर्यात रोकने जैसे कदम उठाने पड़े क्योंकि कमजोर मानसून से गन्ना उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ी है। जल संकट और भूजल पर दबाव कम वर्षा का सीधा असर नदियों, बांधों और भूजल स्तर पर पड़ता है। भारत में महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बुंदेलखंड और तेलंगाना पहले से ही भूजल दोहन के गंभीर संकट से जूझ रहा है। अल नीनो इस संकट को और गहरा कर सकता है। अल नीनो वाले वर्षों में वैश्विक तापमान सामान्य से अधिक बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में बनने वाले अल नीनो वैश्विक तापमान को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा सकता है। इस कारण लंबी और तीव्र हीटवेव, शहरी "हीट आइलैंड" प्रभाव,श्रमिकों की कार्यक्षमता में कमी, लू से मौतें होगी और गरीब और असंगठित क्षेत्र के मजदूर सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इससे ग्रामीणों का पलायन, आय असमानता और सामाजिक असुरक्षा बढ़ने का खतरा पैदा होता है। कम जल उपलब्धता और बढ़ती गर्मी ऊर्जा क्षेत्र को भी प्रभावित करती है। कमजोर मानसून का असर जीडीपी वृद्धि पर भी पड़ सकता है क्योंकि भारत की बड़ी आबादी कृषि आधारित है। अल नीनो समुद्री तापमान को बढ़ाकर समुद्री जैव विविधता को प्रभावित करेगा। प्रशांत महासागर में पनप रहा अल नीनो भारत के लिए केवल मौसम संबंधी घटना नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, जल संकट, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा राष्ट्रीय खतरा है। जलवायु परिवर्तन ने इस खतरे को और जटिल बना दिया है। यदि भारत ने समय रहते जल, कृषि और ऊर्जा नीतियों में व्यापक परिवर्तन नहीं किए, तो भविष्य में अल नीनो जैसी घटनाएं करोड़ों लोगों की आजीविका और जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं।

(लेखक स्वतंत्र संतर्ककार है, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मृत्यु टाले नहीं टलती

भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठ कर कैलाश पर्वत पर गए। द्वार पर गरुड़ को छोड़ कर खुद शिव से मिलने अंदर चले गए। तब कैलाश की अर्पूर्व प्राकृतिक शोभा को देख कर गरुड़ मंत्रमुग्ध थे कि तभी उनकी नजर एक खूबसूरत छोटी सी चिड़िया पर पड़ी। चिड़िया कुछ इतनी सुंदर थी कि गरुड़ के सारे विचार उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। उसी समय कैलाश पर यम देव पथारे और अंदर जाने से पहले उन्होंने उस छोटे से पक्षी को आश्चर्य की दृष्टि से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है और यमदेव कैलाश से निकलते ही उसे अपने साथ यमलोक ले जाएंगे। गरुड़ को दया आ गई। इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरता हुआ नहीं देख सकते थे। उसे अपने पंजों में दबाया और कैलाश से हजारो कोस दूर एक जंगल में एक चट्टान के ऊपर छोड़ दिया, और खुद वापिस कैलाश पर आ गए। आखिर जब यम बाहर आए तो गरुड़ ने पूछ ही लिया कि उन्होंने उस चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी नजर से क्यों देखा था। यम देव बोले- गरुड़ जब मैंने उस चिड़िया को देखा तो मुझे ज्ञात हुआ कि वो चिड़िया कुछ ही पल बाद यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा खा ली जाएगी। मैं सोच रहा था कि वो इतनी जल्दी इतनी दूर कैसे जाएगी, पर अब जब वो यहां नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी। गरुड़ समझ गए मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी भी चतुराई की जाए।

ट्रेंड्स

भारत की स्थिरता



अपनी संरचनात्मक कमजोरियों के बावजूद, भारत ने वैश्विक स्तर पर मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में भी जबरदस्त स्थिरता दिखाई है। यह पिछले दशक में वैश्व-इकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखने और साथ ही नीति-निर्माण को संवेदनशील और पुरानी बनाने से हासिल हुआ है। - **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना



हमने जो सपना देखा था, वह आज हर घरघर में बसता है। एक नया भारत बनाने का संकल्प हमारे दिलों में है। अटल जी के इसी संकल्प के तहत, आज हम 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' के ज़रिए एक नए भारत को आकार लेते हुए देख रहे हैं। - **शिवराज सिंह चौहान**, केंद्रीय कृषि मंत्री

तरुण चुप को बधाई



भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, तरुण चुप को राज्यस्तरा सांसद के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। आपका सगठनात्मक अनुभव और राष्ट्र-हित के प्रति समर्पण अब संसदीय कर्तव्यों के माध्यम से देश सेवा को नई दिशा प्रदान करेगा। - **रश्मि गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

विकास को प्राथमिकता



हिमाचल का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं रहना चाहिए; यही हमारी प्राथमिकता है। जिन इलाकों को दुर्गम बताकर बरसों तक नजरअंदाज किया गया, हमारी सरकार अब उन्हें प्राथमिकता दे रही है और उनका विकास कर रही है। -**सुखविंदर सिंह सुखु**, सीएम, हिमाचल प्रदेश

अपने विचार हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट राणी कमलाकृति रेल्वे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

88 हजार करोड़ के रोड मास्टर प्लान से बदलेगी मप्र की तस्वीर



प्रतीकत्मक चित्र।

5 साल में बनेंगी 29,682 किमी सड़कें
 6 ग्रीनफील्ड कॉरिडोर होंगे विकसित

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

मध्यप्रदेश में बढ़ते ट्रैफिक दबाव, तेजी से हो रहे शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने करीब 88,637 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी रोड मास्टर प्लान तैयार किया है। पीएम-गतिशक्ति पोर्टल के आधार पर तैयार इस प्लान के तहत अगले पांच वर्षों में 29,682 किलोमीटर लंबी सड़कें विकसित की जाएंगी। योजना में 1,226 सड़क मार्ग शामिल हैं और इसके माध्यम से प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच बेहतर एवं तेज कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

उज्जैन को दी गई प्राथमिकता

मास्टर प्लान के तहत मोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा 2,745 किलोमीटर लंबे छह नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे, जिनमें सागर-सतना, मोपाल-इंदौर, जबलपुर-मोपाल, मोपाल-मंदसौर, इंदौर-उज्जैन और सागर-जबलपुर मार्ग शामिल हैं। योजना के पहले वर्ष 2026-27 में सबसे अधिक 8,003 किलोमीटर सड़क निर्माण और उच्चगण का कार्य किया जाएगा, जिस पर 23,805 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अगले चार

वर्षों में शेष परियोजनाएं चरणबद्ध तरीके से पूरी होंगी। प्रस्तावित नेटवर्क में 15,984 किमी विभागीय सड़कें, 2,745 किमी ग्रीनफील्ड सड़कें और 11,388 किमी अन्य सड़कें शामिल हैं। पीडब्ल्यूडी के अनुसार परियोजनाओं के लिए राज्य बजट, राष्ट्रीय राजमार्ग मद, सीएसआर फंड और अन्य वित्तीय स्रोतों से संसाधन जुटाए जाएंगे। विभाग का कहना है कि इस योजना से ट्रैफिक जाम होगा, यात्रा का समय घटेगा, माल परिवहन सस्ता होगा और उद्योग, कृषि तथा पर्यटन को गति मिलेगी।



यूनिसेफ प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करते मप्र राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष पवैया।

राज्य वित्त आयोग-यूनिसेफ की बैठक संपन्न बच्चों में निवेश बढ़ाने से मप्र की मजबूत होगी नींव: पवैया

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

मप्र राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित मप्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बच्चों में निवेश बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए उन्हें वित्तीय रूप से अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोग अपनी अनुशंसाओं में बच्चों के विकास से जुड़े आवश्यक संकेतकों को शामिल करने पर गंभीरता से विचार करेगा।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष पवैया ने यूनिसेफ के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक में बच्चों के समग्र विकास, पोषण और समावेशी आर्थिक विकास को लेकर हुठ बैठक में यह बात कही। बैठक में यूनिसेफ मप्र के प्रमुख विलियम हेनलोन जूनियर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि पंचायतों एवं शहरी निकायों के लिए वित्तीय हस्ततारण का सूत्र निर्धारित करते समय बच्चों की आवश्यकताओं और उनके विकास से जुड़े संकेतकों को भी महत्व दिया जाना चाहिए।

आयोग की अनुशंसाओं में शामिल करने का सुझाव

बैठक में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 के आधार पर मप्र के विभिन्न जिलों में बीजापन, शारीरिक दुर्बलता, कुपोषण तथा बाल विवाह की स्थिति से अवगत कराते हुए इन संकेतकों को आयोग की अनुशंसाओं में शामिल करने का सुझाव दिया। साथ ही इस विषय में यूनिसेफ द्वारा आयोग को तकनीकी एवं विशेषज्ञ सहयोग उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा गया। बैठक में अध्यक्ष पवैया ने यूनिसेफ के प्रस्तुतीकरण और सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि इस संवाद से राज्य वित्त आयोग को स्थानीय निकायों के वित्तीय सशक्तिकरण को बच्चों के विकास से जोड़कर देखने का नया दृष्टिकोण प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों के हितों को प्राथमिकता देने वाली योजनाओं को स्थानीय स्तर पर प्रावर्ती बनाने के लिए वित्तीय संसाधनों का समुचित तावधान आवश्यक है और आयोग इस दिशा में सकरात्मक पहल करेगा।

नीदरलैंड के कॉन्सुल जनरल ने डीजीपी मकवाणा से की मेंट



मोपाल। डीजीपी कैलाश मकवाणा से सोमवार को नीदरलैंड के मुंबई स्थित कॉन्सुल जनरल नवील ताउआती ने पुलिस मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुंबई के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार कस्तुभ परिहार और कृषि सलाहकार प्रसाद पारते भी मौजूद रहे। बैठक में डीजीपी मकवाणा ने मप्र

■ साइबर पुलिस द्वारा सुरक्षा-आ धु नि क , नशा मुक्ति पु ल सि ग , अभियान त ल नीं ग , पर चर्चा नवाचार, कानून-व य व र स् था सुदृढीकरण और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने राज्यव्यापी ‘सेफ क्लिक 2.0’ अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके माध्यम से नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के लिए व्यापक जागरूकता दी जा रही है। डीजीपी ने प्रदेश सरकार और पुलिस द्वारा संचालित ‘नशे से दूरी है जरूरी’ अभियान की भी जानकारी दी। बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच सामुदायिक पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा, जन-जागरूकता अभियानों तथा आपसी सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान पर सकरात्मक चर्चा हुई।

सहकारिता सप्ताह का अपेक्स बैंक प्रशासक महेंद्र ने किया शुभारंभ



मोपाल। राजधानी के अपेक्स बैंक मुख्यालय के टी.टी.नगर स्थित प्रांगण में अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने भारत सरकार के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ किया। मप्र में सहकारिता आंदोलन के व्यापक प्रचार प्रसार युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने नई सहकारी समितियां के गठन तथा सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए सात दिवसीय व्यापी थीम पर आ धा रि त का र्य क्र म आ यो जि त किए जाने का निर्णय लिया है, इसी कड़ी में

■ अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलाई सहकारिता की शपथ प्रथम दिवस अपेक्स बैंक में सहकारी ध्वज का ध्वजारोहण, उसके पश्चात वृक्षारोपण के बाद सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने सहकारिता की शपथ दिलाई एवं सामूहिक रूप से सहकारी गीत के गायन का आयोजन हुआ। यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस वर्ष को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है और इसी कड़ी में 14 अप्रैल 2026 से प्रदेश में किसानों को सदस्य बनने के उद्देश्य से शुरू हुआ महासदस्यता अभियान जो 30 जून तक चलेगा, इसमें अधिक से अधिक किसानों को सहकारिता से जोड़ने और सदस्य बनाने की पहल की जाना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री भैसवामाता में करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन प्रदेश के सतत विकास के साथ जल संरक्षण पर आज सरकार की प्रतिबद्धता दोहराएंगे सीएम

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 जून को जिले के विकासखंड सारंगपुर के तहत भैसवामाता मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर राजगढ़ जिले के 352 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे। वे दोपहर 1.45 बजे भैसवामाता पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगे।

इसके बाद दूध तलेया में गंगा पूजन, गौ-पूजन एवं पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 की प्रदर्शनी का अवलोकन एवं पर्यावरणीय नवाचारों की जानकारी प्राप्त करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम डेटवाल, सांसद रोडमल नागर भी उपस्थित रहेंगे। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डेटवाल, सांसद नागर एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पटेल भी उपस्थित रहेंगे। राजगढ़ जिले की पर्यटन फिल्म, कॉफी टेबल बुक

एवं सोशल मीडिया हैंडल का अनावरण किया जाएगा। साथ ही जिले में कराए गए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, जल संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर अतिरिक्त विचार रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ भी विवरित किए जाएंगे।

जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के साथ उनके संरक्षण के उद्देश्य से शुरू किए गए ‘जल गंगा संवर्धन अभियान-2026’ का समापन होने जा रहा है। अभियान की इस अल्पावधि में ग्रामीण, नगरीय, वन, सिंचाई, शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न स्तरों पर लगभग 3.62 लाख से अधिक जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य सफलतापूर्वक क्रियान्वित किये गये हैं। इस महा-अभियान ने पूरे प्रदेश में भू-जल संवर्धन, जल गुणवत्ता परीक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नदी पुनर्जीवन और जल जागरूकता का एक नई चेतना जागृत की है।

पूर्व सीएम के बयान पर टिप्पणी से इंकार भारत न्यास भूमि विवाद पर कांग्रेस में सन्नाटा, प्रभारी ने साधी चुप्पी

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

उज्जैन के वीर भारत न्यास को जमीन आवंटन के मुद्दे पर मध्यप्रदेश कांग्रेस में उठे विवाद के बीच प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बयान पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद सरकार की ओर से दिग्विजय सिंह को क्लीन चिट दिए जाने के बावजूद पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस मामले में खुलकर सामने नहीं आया है।

मामला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता से जुड़ा हुआ है। ऐसे में संगठन की आधिकारिक राय जानने के लिए जय प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि पार्टी में व्यवस्था है कि इस तरह के विषयों पर अधिकृत प्रवक्ता ही पार्टी का पक्ष रखते हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो भी अधिकृत लाइन तय होगी। उसकी जानकारी पार्टी प्रवक्ता देंगे।

बैठक के बाद आज से ‘जवाब दो’ अभियान शुरू करेगी कांग्रेस

दूसरी ओर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अपने आरोपों पर कायम हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि इस मामले में मंत्री बोल चुके हैं, संगठन अपनी बात रख चुका है और सरकार की ओर से भी सफाई दी जा चुकी है, लेकिन मुख्यमंत्री अब तक मौन हैं। पटवारी ने कहा कि लोकतंत्र में मौन कभी उत्तर नहीं होता। पटवारी ने यह भी घोषणा की कि कांग्रेस 30 जून को इस मुद्दे पर बैठक करेगी और इसके बाद जनता के बीच जाकर ‘जवाब दो’ अभियान शुरू करेगी। माना जा रहा है कि कांग्रेस इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाने की रणनीति बना रही है, जबकि दिग्विजय सिंह के बयान पर पार्टी नेतृत्व की चुप्पी ने सियासी अटकलों को और हवा दे दी है।

सुरक्षित संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

भू-अभिलेखों के डिजिटाइजेशन में जुलाई माह से अगला चरण

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

नागरिकों को भूमि संबंधी सरकारी अभिलेखों की पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ पुराने भू-अभिलेखों के सुरक्षित संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

इसी उद्देश्य से डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से राज्य के लगभग 15 करोड़ पुराने भू-अभिलेख रिकॉर्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा,

जिसके लिए दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली और डीबीईएस सॉफ्टवेयर विकसित किए जा रहे हैं। वर्ष 2008 में शुरू हुए राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम को 1 अप्रैल 16 से डीआईएसआरएएपी के तहत रूप में पुनर्गठित किया गया था। इसके तहत मॉडर्न रिकॉर्ड रूम के अभिलेखों के डिजिटाइजेशन का रूपरेखा तैयार की गई। योजना के फेज-1 में लगभग 3,18,82,222 दस्तावेजों और फेज-2 में लगभग 2,39,24,462 दस्तावेजों की स्कैनिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

31 मार्च 2026 तक इन तीनों योजनाओं में कुल 5.9 करोड़ से अधिक नामांकन दर्ज किए गए हैं। इसे वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना प्रदेश की सबसे लोकप्रिय सामाजिक सुरक्षा योजना बनकर उभरी है। वर्ष 2016 में 47.7 लाख लोगों ने

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से 5.9 करोड़ से अधिक लोग जुड़े

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना बनी सबसे लोकप्रिय

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

31 मार्च 2026 तक इन तीनों योजनाओं में कुल 5.9 करोड़ से अधिक नामांकन दर्ज किए गए हैं। इसे वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना प्रदेश की सबसे लोकप्रिय सामाजिक सुरक्षा योजना बनकर उभरी है। वर्ष 2016 में 47.7 लाख लोगों ने



इस योजना से जुड़कर शुरुआत की थी, जबकि मार्च 2026 तक लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 384.18 लाख पहुंच गई। यानी पिछले दस वर्षों में इस योजना के दायरे में आठ गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। कम प्रीमियम में दुर्घटना बीमा सुरक्षा मिलने के कारण ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इस योजना को व्यापक स्वीकार्यता मिली है। प्रधानमंत्री जीवन

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सोमवार को भोपाल स्थित इंदिरा भवन में प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने के लिए नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई और प्रदेश के हर गांव व पंचायत तक संगठन के विस्तार का संकल्प लिया गया। बैठक का प्रमुख निर्णय ‘किसान न्याय योद्धा’ अभियान का शुभारंभ रहा। अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक पंचायत और गांव में पांच-पांच किसान न्याय योद्धा नियुक्त किए जाएंगे, जो



अभियान का शुभारंभ करते पटवारी।

हरिभूमि न्यूज़
 [►►मोपाल](#)

किसानों की समस्याओं को संगठन और प्रशासन तक पहुंचाने, किसान हितों की रक्षा करने तथा ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। बैठक में सोशल मीडिया के जरिए किसान कांग्रेस की गतिविधियों और किसान हितों के मुद्दों को गांव-गांव तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि संगठन का शत-प्रतिशत विस्तार प्राथमिकता है। उन्होंने सभी ब्लॉक और जिला इकाइयों को सक्रिय करते हुए हर गांव में किसान न्याय योद्धा तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन में जवाबदेही सर्वोपरि होगी और पदाधिकारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी।

स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति की प्रथम परिचयात्मक बैठक

मोपाल। मप्र विधानसभा की स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति की प्रथम परिचयात्मक बैठक समिति के सभापति राजेन्द्र पाण्डेय के सभापतित्व में संपन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्यों अभय मिश्रा,सतीश सिकरवार, प्रदीप अग्रवाल एवं विष्णु खत्री ने सहभागिता की। इस अवसर पर सभापति द्वारा समिति की भूमिका, दायित्व एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला गया। उल्लेखनीय है कि इस समिति का मुख्य कार्य महालेखाकार एवं संचालक, स्थानीय निधि संपरीक्षा द्वारा स्थानीय नगरीय निकायों एवं पंचायती निकायों के द्वारा संपादित कार्यों का लेखा परीक्षण कर उनके संबंध में विधान सभा सदन में रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।



बैठक में मौजूद सदस्य।

विशेषज्ञों का मानना है कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार, डिजिटल मुद्राणा प्रणाली की बढ़ती पहुंच जनधन खातों का व्यापक नेटवर्क तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित वित्तीय समावेशन शिविरों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लैंड बैंक के अधिकारियों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लैंड बैंक के अधिकारियों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लैंड बैंक के अधिकारियों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार, डिजिटल मुद्राणा प्रणाली की बढ़ती पहुंच जनधन खातों का व्यापक नेटवर्क तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित वित्तीय समावेशन शिविरों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लैंड बैंक के अधिकारियों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लैंड बैंक के अधिकारियों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लैंड बैंक के अधिकारियों ने इन योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



एक पेड़ मां के नाम के तहत किए पौधरोपण
औबेदुल्लागंज। भाजपा मंडल औबेदुल्लागंज के बूथ क्रमांक 120 के बूथ अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के निवास पर मंडल अध्यक्ष डॉक्टर भूपेंद्र नागर ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधा रोपण किया। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृशक्ति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा आइए, हम सभी अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान दें।



ग्राम दाहोद में सामूहिक सुना 'मन की बात'
औबेदुल्लागंज। ग्राम दाहोद में जय प्रकाश शर्मा मित्र मंडल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना। इस अवसर पर उपस्थित सभी नागरिकों, साधियों एवं छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक विचारों को गंभीरता से सुना तथा राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की।



हर्षोल्लास से मनाया कपिल का जन्मदिन
औबेदुल्लागंज। नगर के युवा समाचार पत्र संचय के प्रमुख विक्रेता कपिल राय का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष भारत निहाल, सुरेश केवट, संदीप श्रीवास्तव, सतीश कटार, आनुप कटार, राकेश ओड़, सौरभ साहू, दीपक मालवीय, प्रिंस वर्मा एवं अन्य लोगों ने कपिल को जन्मदिन की बधाई दी।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का कारावास
भोपाल। नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी अब्दुल सलीम कुरैशी को विशेष न्यायाधीश श्रीमती कुमुदिनी पटेल ने भाद्रसं की धारा- 376(3) एवं पाक्सो एक्ट की धारा- 3/4 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रकरण में अभियोजन द्वारा विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला एवं नवीन श्रीवास्तव द्वारा पेरवी की गई थी।

शुक्रांक			
कल्याण:	1650		
दिन:	256	34	248
रात:	479	04	356
तारा:			
दिन:	000	00	000
रात:	000	00	000

नगर परिषद की विकास योजना ठप, कानाफुसी वाली राजनीति तेज नप अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मैदान में कई उम्मीदवार आजमा सकते हैं किस्मत

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज
 नगर में कानाफुसी वाली राजनीति तेज हो गई है, क्योंकि नगर परिषद की विकास योजना ठप पड़ी है, इसके पीछे अहम की लड़ाई बताई जा रही है। 9 पार्षदों ने कहा 11 माह बचे हैं नगर परिषद के चुनाव को, अब अहम छोड़ों जनता को नगर का विकास करके दिखाओ। नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने वाले कथावाचक अरुण भावसार कथा के माध्यम से जनता को लुभाने में लगे हैं। वरिष्ठ वचन लोधी अर्जुन नगर में सक्रिय हो गए हैं। पूर्व नप अध्यक्ष हस्प्रित कौर बिट्टू एवं त्रिलोकान सिंह बिट्टू का

15 हजार रुपए प्रतिमाह में खाना बनाने के लिए रखा



रातीबड़ पुलिस ने डीपीएस तिराहा में रहने वाले रिटायर्ड स्पेशल डीजी उनके बेटे और ड्राइवर पर कुक के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। कुक का आरोप है कि उसे पंद्रह हजार रुपए प्रतिमाह देने का कहकर घर में रखा गया था। खाना पसंद नहीं आने पर उसे प्रताड़ित करने लगे। नाश्ता बनाकर देने पर उन्हें पसंद नहीं आया तो फटकार लगाई। दुखी होकर कुक अंदर कमरे में चला गया, तो उससे मारपीट करते हुए मोबाइल छीन लिया और एक हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। पुलिस के अनुसार विपेंद्र सिंह तोमर (31) रीवा के एक गांव का रहने वाला है। उसने रातीबड़ पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह खाना बनाने का काम करता है। रीवा से



ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित लांबाखेड़ा में रविवार देर रात तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटी सवार दंपति और उनकी सात साल की बेटी को रौंद दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि पिता व मासूम बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद आरोपी चालक अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। पूरा घटनाक्रम मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। पुलिस बोलेरो के नंबर के आधार पर आरोपी चालक और गाड़ी की तलाश कर रही है। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव परिजन को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक बुधवारा तलैया निवासी आफाक खान पेशे से इलेक्ट्रीशियन हैं। उनकी पत्नी तबस्सुम बी (28) के भाई फहीम खान लांबाखेड़ा की एक कॉलोनी में रहते हैं। रविवार को आफाक पत्नी व सात साल की बेटी तैयबा के साथ लांबाखेड़ा गए हुए थे। रात करीब सवा दस बजे परिवार स्कूटी पर सवार होकर लौट रहा था। उसी दौरान लांबाखेड़ा इलाके में पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

एक दर्जन से अधिक जगहों पर लगाया जागरूकता शिबिर पुलिस ने 200 से अधिक लोगों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी



हरिभूमि न्यूज ►►मंडीदीप
 मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा हर थाना क्षेत्र के अंतर्गत साइबर सुरक्षा के अभियान (सैफ क्लिक 2026) का आयोजन किया जा रहा है। मंडीदीप और सतलापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत साइबर उगी से बचने के लिए पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाकर उद्योग में काम करने वाले कर्मचारी, स्कूल, कॉलेज के छात्र, एवं

रहवासी क्षेत्र लोगों को जागरूक कर रही है। शिबिर में लोगों को साइबर उगी से बचने के लिए और साइबर अपराधी से बचने के लिए सुझाव दिए जा रहे हैं। पुलिस ने करीब एक दर्जन से अधिक जगहों में 200 से अधिक लोगों को जागरूक किया। इसमें सतलापुर के औद्योगिक क्षेत्र, चौराहा, पटेल नगर, मंगल बाजार, समेत कई जगहों पर शिबिर का आयोजन किया गया।



अपने जीजा के छोटे भाई के घर लहारपुर कटारा हिल्स आया था। इस दौरान रीवा के लालता प्रसाद साहू और ऊर्जा विभाग में नौकरी करने वाले आरडी मिश्रा के कहने पर 25 जून को वह डीपीएस तिराहा पर रहने वाले रिटायर्ड स्पेशल डीजी शैलेश सिंह के घर खाना बनाने चला गया। शैलेश सिंह ने उसे पंद्रह हजार रुपए प्रतिमाह देने की बात कही और खाने सहित रुकने की व्यवस्था का भी कहा। परिवार में शैलेश सिंह, उनका बेटा सहित चार सदस्य रहते हैं।



सड़क पर गिरी महिला को रौंदते हुए निकली बोलेरो
 टक्कर लगते ही दंपति और उनकी बेटी गाड़ी समेत सड़क पर गिर गए और उसी दौरान बोलेरो ने महिला को रौंद दिया। गंभीर हालत में पति-पत्नी और बेटी को हर्मांदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने तबस्सुम बी को मृत घोषित कर दिया। पति आफाक खान और बेटी तैयबा का इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि बोलेरो गाड़ी के नंबर के आधार पर खोजबीन की जा रही है। परिजन का कहना है कि आफाक और तबस्सुम की शादी करीब 15 साल पहले हुई थी। शादी के 8 साल बाद



संत कबीर दास का जन्म पर सजा दीवान, कीर्तन औबेदुल्लागंज। शिरोमणि संत कबीर दास जी का जन्मदिन हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारे में सुबह 11 बजे दीवान सजा, कीर्तन एवं कथा का आयोजन हुआ। जगजीत सिंह जीते भैया ने कथा कर शिरोमणि संत कबीर दास के जीवन पर प्रकाश डाला। अपने समस्त मानस जात को एकता भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर रागी भगवान सिंह द्वारा दोपहर 1 बजे अरदास के उपरांत गुरु का अटूट लंगर बांटा गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सुरजीत सिंह गिल, नरेंद्र सिंह गिल, लखविंदर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हरिभूमि न्यूज ►►मंडीदीप
 मंडीदीप नगर पालिका में विगत 4 वर्षों से विकास के नाम पर अलग-अलग तरकीब नपा प्रशासन द्वारा अपनाया जा रहा है, जिसमें नपा के निचले तबके के कर्मचारी से लेकर ऊपर सीएमओ तक कर स्थानान्तरण किया गया, जिससे नपा की स्थिति में सुधार हो, परन्तु हालात जस के तस हैं, जिसमें साफ-सफाई, पानी का सुचारू वितरण, नालियों की सफाई, सड़कों में बड़े गड्ढे,

मारपीट कर घर से बाहर निकाला

विपेंद्र सिंह ने शिकायत करते हुए बताया कि पहले दिन से ही परिजन मुझे आदेश देने लगे और काम में कमियां निकालने लगे। मेरा मोबाइल भी रख लिया। मुझे लगा कि शुरुआती दिन में थोड़ी दिक्कत आएगी बाद में सब ठीक हो जाएगा। तीन दिन बाद 28 जून को सुबह मैंने नाश्ता बनाया। नाश्ता देने के बाद मैंने अपना मोबाइल शैलेश सिंह से मांगा तो उन्होंने मोबाइल देने से मना कर दिया। मैं गुस्सा होकर कमरे में चला गया तो वहां शैलेश सिंह, उनका बेटा शशांक सिंह और ड्राइवर मिश्रा कमरे पहुंच गए। उन्होंने मुझसे लातघूँसे से मारपीट की और घर से बाहर निकाल दिया। उन्होंने घर में तीन दिन रुकने और खाने के बदले एक हजार रुपए भी ट्रांसफर करा लिए।



कार ने लोडिंग वाहन को मारी टक्कर, महिला की मौत
 भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित आरआरएल बिज से उतर रहे ऑटो को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ऑटो में बैठी 60 साल की महिला सड़क पर गिर गई। चलते ऑटो से गिरने के कारण उसे गंभीर चोट आई थी। ऑटो में बैठे पति और बेटा उन्हें लेकर एम्स पहुंचे, वहां कुछ ही देर बाद डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पोष्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाली कार और चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार अंबिका नरवारे पिता जलवा नरवारे (60) आंबेडकर मूर्ति के पास बागमुरगिया में रहती थीं। अंबिका पति जलवा के साथ बिट्टन मार्केट में सब्जी की दुकान लगाते थे। गत शनिवार 28 जून की रात वह बिट्टन मार्केट से पति और बेटे गणेश नरवारे के साथ अपने लोडिंग ऑटो से घर जा रहे थे। आरआरएल ओवरबिज से उतरते समय अज्ञात कार के चालक ने तेजी और लापरवाहीपूर्वक कार चलाते हुए जलवा नरवारे के ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ऑटो पलट गया और ऑटो में सवार अंबिका चलते ऑटो से गिर गईं। इस हादसे में उन्हें चेहरे पर, दाहिने पैर और बाएं हाथ में गंभीर चोट आई थी। पति और बेटा उन्हें एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां करीब एक घंटे चले इलाज के बाद डॉक्टर ने अंबिका नरवारे को मृत घोषित कर दिया।

संत नगर में चोरों के हौसले बुलंद, पुलिस नहीं पकड़ सकी एक भी चोर

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर
 उपनगर बैरागढ़ के संत नगर (सीआरपी सैनिक स्टोर वाली गली) में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्रवासियों और व्यापारियों में दहशत का माहौल है। हैरानी की बात यह है कि कई मामलों में सीसीटीवी कैमरों में चोरों की तस्वीरें कैद होने के बावजूद पुलिस अब तक उन्हें पकड़ नहीं सकी है। ताजा मामला 28 जून की रात का है। लकी कॉन्फेक्शनरी का ताला तोड़कर दो चोर दुकान में घुस गए और केश काउंटर में रखे 1.50 लाख रुपए नगद चोरी कर ले गए। दुकान संचालक राजू दादलानी जब सुबह करीब 7 बजे दुकान पहुंचे तो ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो

मंडीदीप नपा में सीएमओ बदले, लेकिन हालात जस के तस
 लोगों को नहीं मिल रही मूलभूत सुविधा, आज भी काट रहे कार्यालय के चक्कर, सड़कों पर भर रहा बारिश का पानी
हरिभूमि न्यूज ►►मंडीदीप
 मंडीदीप नगर पालिका में विगत 4 वर्षों से विकास के नाम पर अलग-अलग तरकीब नपा प्रशासन द्वारा अपनाया जा रहा है, जिसमें नपा के निचले तबके के कर्मचारी से लेकर ऊपर सीएमओ तक कर स्थानान्तरण किया गया, जिससे नपा की स्थिति में सुधार हो, परन्तु हालात जस के तस हैं, जिसमें साफ-सफाई, पानी का सुचारू वितरण, नालियों की सफाई, सड़कों में बड़े गड्ढे,

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित बाबा नगर का मामला महिला समेत दो पर तलवार-डंडे से जानलेवा हमला

भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित बाबा नगर में रविवार देर रात डंडे व तलवार लेकर पहुंचे बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला पर डंडे से हमला कर दिया। साथ ही एक युवक को तलवार मारी है। आरोपी यहां किसी युवक की तलाश करने के लिए पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार बाबा नगर निवासी संजु सोनोने (42) गृहणी हैं। रविवार रात करीब 11 बजे वह अपने घर ही थीं। तभी शोर सुनाई देने पर वह बाहर आईं। उन्होंने देखा कि बाइक सवार दो बदमाश तलवार व डंडे से बाइक व वहां खड़े दो ऑटो में तोड़-फोड़ कर रहे हैं। दहशत फैलाने के लिए बदमाश घरो के दरवाजे और लोहे की चादरों पर डंडे व तलवार मार रहे थे। दरअसल बदमाश वहां रहने वाले एक युवक को तलाश करते हुए आए थे। करीब 15 दिन पहले उनका युवक से विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर युवक ने आरोपियों को खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। उसी

युवक की तलाश करते हुए राहुल और शिवांस उर्फ शिवम बाबा नगर पहुंचे थे। एएसआई चन्दाभान गुरजर ने बताया कि बदमाशों को उन्नात मरता देख महिला संजु सोनोने और पड़ोस में रहने वाले हीरालाल गायकवाड़ ने उनका विरोध किया। विरोध करने पर बदमाशों ने महिला का सिर डंडे से फोड़ दिया वहीं हीरालाल पर भी तलवार से वार किया। हीरालाल ने तलवार का वार अपने बाएं हाथ से रोक लिया। उसके हाथ की एक अंगुली कट गई। पुलिस ने बताया कि तब तक मोहल्ले के लोगों ने उनमें से एक बदमाश शिवांस उर्फ शिवम को दबोचकर जमकर पीटा दिया। आरोपी राहुल वहां से भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी शिवम कजलीखेड़ा का रहने वाला है और मंडीदीप की एक होटल में रोटी बनाने का काम करता है। उसके खिलाफ एक अपराध पूर्व से दर्ज है।

2015 में कोचिंग में पढ़ने के दौरान हुई थी दोस्ती शादी का प्रलोभन देकर महिला कांस्टेबल से किया दुष्कर्म
हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल
 मिसरोद पुलिस ने एक महिला कांस्टेबल की शिकायत पर उसके साथ कोचिंग में पढ़ने वाले युवक के खिलाफ दुष्कर्म और दैहिक शोषण का मामला दर्ज किया है। महिला कांस्टेबल का आरोप है कि आरोपी शादी का प्रलोभन देकर लगातार उससे शारीरिक संबंध बना रहा था। गत दिनों ने उसने बिना पूछे कहीं और शादी कर ली। पुलिस के अनुसार 35 साल की पीड़िता, पुलिस विभाग में कांस्टेबल है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वर्ष 2015 में वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर

कॉन्फेक्शनरी की दुकान का ताला तोड़कर डेढ़ लाख उड़ाए



केश काउंटर में रखी नगदी गायब थी, जिसे दूसरे व्यापारी को भुगतान करने के लिए रखा गया था। घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक चोरों का कोई सुराग

नपा नहीं कर पा रहा कचरे का सही निष्पादन
 नपा द्वारा कचरे का निष्पादन सही से नहीं हो रहा, जिससे अलग-अलग वाडों में गंदगी के आंبار लगे हुए हैं। वही प्रमुख कचरा डंपिंग क्षेत्र गुराड़िया में कचरे को निष्पादित करने के लिए नपा की कोई योजना अभी तक दिखाई नहीं दे रही है। **बारिश से पूर्व न नाले-नालियों की सफाई हुई, न बनी कार्ययोजना**
 नपा के दृष्ट क्षेत्र एवं बड़े नाले और नालियों की सफाई को लेकर आज तक कोई कार्य योजना नहीं बनाी और न कोई प्लान है, जिसके कारण नगर में बारिश का पानी सड़कों में भर जाता है और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।



40 साल के टीचर ने 13 साल की छात्रा को किया बेड टच, प्रकरण दर्ज
हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल
 छोला मंदिर थाना क्षेत्र में एक निजी स्कूल के 40 साल के टीचर द्वारा 13 साल की छात्रा से बेडटच किए जाने का मामला सामने आया है। छात्रा ने घटना की जानकारी घर पहुंचकर परिजन को दी। परिजन उसे लेकर छोला थाने पहुंचे और टीचर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस ने टीचर के खिलाफ छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की

धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 13 साल की किशोरी प्राइवेट स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ती है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार 27 जून को वह स्कूल गई थी। क्लास खत्म होने के बाद वह टीचर के कमरे में पहुंची। वहां टीचर उससे बातचीत कर रहे थे और इसी दौरान बुरी नीयत से उसे बेड टच किया।



पुलिस ने गांजे और अवैध थाराब विक्रेताओं के खिलाफ चलाया अभियान औबेदुल्लागंज। थोक गांजे के सप्लायरों का क्राइम ब्रांच द्वारा कार्रवाई जारी है। विगत दिनों उड़ीसा और रायपुर में औबेदुल्लागंज के कई गांजे विक्रेताओं को पकड़ा। सोमवार को टीआई बीपी सिंह के नेतृत्व में अर्जुन नगर में गांजे विक्रेताओं एवं अवैध कच्ची शराब के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया। क्राइम ब्रांच के सूत्रों से पता लगा है उड़ीसा और रायपुर से औबेदुल्लागंज के अर्जुन नगर में छह-सात लोग थोक गांजा लाते हैं और औबेदुल्लागंज से लगे नसरुल्लागंज, रेहटी, तामोट, दीवाटिया, बामनई, गौहरगंज, नूरगंज आदि जगहों पर सप्लाई करते हैं।

नालों में तब्दील हुए सड़क में अधिकारियों को बदला जा रहा है। इससे पहले भी यही सीएमओ यहां थे, अब भी वही आए हैं। हालात ये हैं कि पहले सड़कों पर नाली बहता था अब सड़क नालों में तब्दील हो गए हैं। **दरभरथ मीणा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष, मंडीदीप बारिश से निपटने के लिए तैयारी पूरी**
 नपा में अभी हमारी पक्की जिम्मेदारी ये है कि साफ-सफाई, दूसरी बारिश से निपटने के लिए पूरी तैयारी रहे। बात मूलभूत सुविधाओं की हो तो हम अमृत योजना के काम को गति देने के लिए ठेकेदार से लगातार बातचीत कर उसे तेजी से काम करने को निर्देशित कर रहे हैं। **सुधीर उपाध्याय, सीएमओ, नपा, मंडीदीप**

पुणे में 3 साल की बच्ची से रेप-मर्डर का मामला

एजेसी ►► पुणे
 महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या करने के आरोपी 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट का यह फैसला वारदात के 60 दिन बाद आया है। अदालत ने इस मामले को 'रेयररेस्ट ऑफ रेयर' श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था। आरोपी को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन प्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट, 2012 (पॉक्सो एक्ट) में फांसी की सजा मिली। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं। बच्ची के वकील ने कहा कि कांबले सुधरने योग्य नहीं है। इससे पहले वह एक 62 साल की महिला, एक 17 साल की लड़की और एक पशु के साथ भी अपराध कर चुका है

विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 60 दिन में फैसला दिया

कांबले पर पहले भी एक महिला और 17 साल की किशोरी से साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप



दोषी भीमराव कांबले

►► अदालत ने कहा कि यह बिना किसी उकसावे के ठंडे दिमाग की हत्या है। यह अपराध इतनी बेरहमी से अंजाम दिया गया कि यह न केवल न्यायिक विवेक को, बल्कि समाज की अंतरात्मा को भी झकझोर देता है

अपराध ने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया

जज एसआर सालुंखे ने कहा कि यह अपराध अत्यंत जघन्य तरीके से किया गया। इसमें पीड़िता के साथ अमानवीय व्यवहार और यातना शामिल थी। पीड़िता एक मासूम, असहाय बच्ची थी। यह हत्या सेक्स के लिए की गई, जो पूर्ण रूप से नैतिक पतन को बताती है। यह बिना किसी उकसावे के ठंडे दिमाग की हत्या है। यह अपराध इतनी बेरहमी से अंजाम दिया गया कि यह न केवल न्यायिक विवेक को, बल्कि समाज की अंतरात्मा को भी झकझोर देता है।

बच्ची के साथ किया अमानवीय व्यवहार

जज ने कहा कि इस उम्र में भी आरोपी की वासना की प्यास नहीं बुझी, बल्कि यह एक अत्यंत खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। पीड़िता के शरीर पर पाई गई चोटें मात्र 3 साल की बच्ची के साथ आरोपी के अमानवीय व्यवहार को उजागर करती हैं। आरोपी ने बच्ची के साथ जो करना चाहा वह निडरता से, अत्यंत हिंसक तरीके से और बिना किसी परिणाम की परवाह किए किया, क्योंकि उसे पूर्व अनुभव था कि मुकदमे में भी कुछ नहीं होगा।

क्या है 'रेयररेस्ट ऑफ रेयर' काइम

भारत में फांसी अपवाद है, सामान्य सजा नहीं है। फांसी सिर्फ 'रेयररेस्ट ऑफ रेयर' मामलों में होती है। क्राइम को रेयररेस्ट ऑफ रेयर मानने के लिए सुप्रीम कोर्ट देखता है कि अपराध कितना क्रूर और समाज को झकझोरने वाला है। कोर्ट ने इस केस को 'रेयररेस्ट ऑफ रेयर' इसलिए माना क्योंकि पीड़िता 3 साल की बच्ची थी। रेप के बाद पत्थर से सिर कुचलकर हत्या। शरीर पर 18 चोटों के निशान मिले।

खबर संक्षेप

दो दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी द्रौपदी मुर्मू

अमरावती। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 30 जून और 1 जुलाई को आंध्र प्रदेश में दो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में शामिल होंगी। वे 30 जून को विशाखापत्तनम में केंद्रीय जनजातीय विवि के पहले दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगी। 1 जुलाई को, वे अन्तर्पुर के केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

खाई में गिरी कार, 4 लोगों की मौके पर मौत

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जिले के चायखान-बेगानिया मार्ग पर सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे बलिया गांव के पास मारुति आल्टो कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में कुल 6 लोग सवार थे, जिनमें से 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हो गए।

जयपुर में होटल की दीवार गिरी, 3 की मौत

जयपुर। जयपुर में होटल के निर्माणधीन सीवरेज की दीवार अचानक गिर गई। वहां काम कर रही 2 महिलाओं सहित 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। 12 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए। हादसा चंदवाजी थाना इलाके में जयपुर-दिल्ली हाईवे (एनएच-48) पर ताला मोड़ स्थित अरावली पैलेस होटल में सोमवार दोपहर 12:50 बजे हुआ।

कैश हुआ प्रशिक्षु विमान महिला पायलट घायल

कासगंज। अलीगढ़ की धनीपुर हवाई पट्टी से प्रशिक्षण उड़ान पर निकला एक प्रशिक्षु विमान सोमवार शाम करीब चार बजे कासगंज पुलिस लाइन के पीछे तकनीकी त्रुटि आने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान उड़ा रही 27 वर्षीय प्रशिक्षु महिला पायलट कायनात खान गंभीर रूप से घायल हो गईं।

अच्छी बारिश नहीं हुई तो हो सकती है पेयजल की कटौती मुंबई के जलाशयों का जलस्तर लगातार घटा,अब 7% से भी कम रह गया पानी

एजेसी ►► मुंबई
 मानसून के देर से पहुंचने के कारण मुंबई को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अनुसार, सोमवार तक इन सातों जलाशयों में कुल 1,00,279 मिलियन लीटर पानी मौजूद था, जो उनकी कुल भंडारण क्षमता का केवल 6.93 प्रतिशत है। इसके विपरीत, पिछले वर्ष इसी अवधि में इन जलाशयों में कुल क्षमता का 39.5 प्रतिशत यानी 5,71,670 मिलियन लीटर पानी था।

तीन दशक से चल रहा विवाद समाप्त, राजस्थान को मिलेगा यमुना का पानी हरियाणा-राजस्थान के बीच जल समझौता गृहमंत्री शाह की मौजूदगी में एमओयू साइन

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को हरियाणा और राजस्थान के बीच जल बंटवारे को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ। दोनों राज्यों की सरकारों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, सीएम नायब सिंह सैनी और राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा भी मौजूद रहे। समझौते के तहत मानसून के दौरान हरियाणा पाइप लाइन के जरिए राजस्थान को पानी भेजेगा। समझौते के तहत वर्ष 1994 में हुए अपर यमुना रिवर बोर्ड के जल बंटवारा समझौते के अनुसार राजस्थान को उसके हिस्से का पानी उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे लंबे समय से लंबित जल विवरण से जुड़े मुद्दों के समाधान की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

समझौते के तहत मानसून के दौरान हरियाणा पाइप लाइन के जरिए राजस्थान को पानी भेजेगा। समझौते के तहत वर्ष 1994 में हुए अपर यमुना रिवर बोर्ड के जल बंटवारा समझौते के अनुसार राजस्थान को उसके हिस्से का पानी उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है

पेयजल उपलब्धता और सिंचाई क्षमता का मिलेगा लाभ

जुलाई से अक्टूबर तक पाइपलाइन के जरिए पानी मिलेगा

सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण



अमित शाह उपस्थिति में सीएम नायब सैनी और सीएम भजनलाल ने किया एमओयू

अमित शाह ने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही यह समझौता इस बात का भी उदाहरण है कि अगर राज्य सहकारी संघवाद की सोच को आगे बढ़ाएं तो तीन दशक पुरानी समस्या भी सरलता से सुलझ सकती है।

इन मुद्दों पर बनी सहमति

गृह मंत्री ने कहा कि इस समझौते के तहत जुलाई से अक्टूबर तक लगभग 580 एमसीएम पानी यमुना नहर से तीन भूमिगत पाइपलाइंस के जरिए राजस्थान तक पहुंचाया जाएगा। पाइप का व्यास 3.6 मीटर से भी अधिक है जिनके माध्यम से राजस्थान और हरियाणा राज्यों के लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था होगी। यह समझौता दोनों राज्यों के लिए 'लाभदायक स्थिति' का अच्छा उदाहरण है। समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकॉल और रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है।

वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण है समझौता

शाह ने कहा कि इस वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण समझौते में बुनियादी ढांचे का संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता के उपायों और विवाद समाधान की प्रक्रिया को भी बहुत बढ़िया तरीके से समाहित किया गया है। हरियाणा, राजस्थान और विशेषकर केंद्रीय जल आयोग ने जो प्रारूप बनाया है वह दशकों तक विवादहीन समझौते के रूप में स्थापित रहेगा।

कई बांध परियोजनाओं के काम में तेजी आएगी

इसके बाद रेणुका डैम, किशाऊ डैम और लखवार डैम जैसी बहुप्रतीक्षित बांध परियोजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में भी तेजी आने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से पेयजल उपलब्धता, सिंचाई क्षमता और जल संरक्षण को बड़ा लाभ मिलेगा। इससे जल के बेहतर प्रबंधन और जल सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

दिल्ली में नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी एक जुलाई से होगी लागू, जनता को 15 हजार करोड़ रु. का लाभ

एजेसी ►►नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पॉलिसी को मंजूरी दे दी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि उपराज्यपाल की संस्तुति के बाद यह नीति एक जुलाई से लागू होगी और 31 अगस्त 2031 तक प्रभावी रहेगी। नई ईवी पॉलिसी से आम लोगों को करीब 15 हजार करोड़ रुपये का लाभ मिलने का अनुमान है। नई ईवी पॉलिसी में दोपहिया वाहन पर पहले वर्ष अधिकतम 30 हजार रुपये, इलेक्ट्रिक ऑटो पर 50 हजार रुपये और एन1 श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रक पर



पहले वर्ष एक लाख रुपये तक की खरीद सब्सिडी मिलेगी। निजी इलेक्ट्रिक कारों पर खरीद सब्सिडी नहीं होगी, लेकिन पुराने बीएस-4 या उससे नीचे के वाहन को स्क्रेप करने पर एक लाख रुपये तक का स्क्रेपिंग इंसेंटिव दिया जाएगा। 30 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों को रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी।

असम में बाढ़ का भीषण कहर अमित शाह ने सीएम हिमंता को सहायता का दिया भरोसा

एजेसी ►► गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को फोन कर राज्य के कुछ हिस्सों में आई बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। शाह ने राज्य में नदियों का जलस्तर बढ़ने से हुए नुकसान और मौजूदा हालात, राहत और बचाव कार्यों की प्रगति के बारे में भी जानकारी हासिल की। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि गृह मंत्री ने हमें



इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार की ओर से हरसंभव मदद और सहयोग का भरोसा दिया है। मैं गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने फोन कर धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। धेमाजी जिले के चार राजस्व सर्किलों के 69 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। यहां करीब 16,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' में उमड़ी भीड़



पुरी। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के पारंपरिक स्नान अनुष्ठान का आयोजन सोमवार तड़के 12वीं शताब्दी के मंदिर परिसर में किया गया। इस दौरान देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। स्नान यात्रा वार्षिक रथ यात्रा का पूर्व आयोजन मानी जाती है। इस अवसर पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को गर्भगृह से बाहर लाया जाता है और सार्वजनिक रूप से 108 कलशों के जल से पवित्र स्नान कराया जाता है। मंदिर परिसर में बने ऊंचे मंच पर आयोजित इस अनुष्ठान का दर्शन श्रद्धालु मंदिर के सामने स्थित भव्य मार्ग से करते हैं। इस वर्ष स्नान यात्रा की शुरुआत सुबह 5:15 बजे देवताओं की पारंपरिक 'पाहंडी' यानी शोभायात्रा के साथ हुई।

पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में कई चौकाने वाले खुलासे

केतन से शॉपिंग के लिए 1 करोड़ लेकर सिया ने चेतन को दिए

शक ने हो इसलिए 3 साल तक शादी नहीं करने की भी योजना बनाई थी

एजेसी ►► पुणे

पुणे के हाईप्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में जांच के दौरान कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। पता चला है कि केतन की हत्या की आरोपी उसकी मंगेतर सिया ने हत्या से पहले केतन से 1 करोड़ रुपये लेकर अपने प्रेमी चेतन को दिए थे। यह रकम शादी की शॉपिंग के नाम पर ऐंटी गई थी। जिसे उसने अपने प्रेमी चेतन को करियर और कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए दिए थे। हत्याकांड में वडगांव मालव स्थित जेएमएफसी कोर्ट ने मुख्य आरोपी सिया गोयल और सह-आरोपी चेतन चौधरी की पुलिस अरेस्टडी 3 जुलाई तक बढ़ा दी है। अदालत ने दोनों आरोपियों को 4 दिन की अतिरिक्त पुलिस रिमांड पर भेजा है।

केतन संग बाली नहीं जाने के लिए सिया ने छिपाया था पासपोर्ट



सिया गोयल, केतन अग्रवाल (मृतक), चेतन चौधरी

चेतन की आर्थिक स्थिति ठीक होने का इंग्जार था

चेतन और सिया के बीच कथित तौर पर यह तथ्य हुआ था कि केतन की हत्या के बाद, शक से बचने के लिए वह तीन साल तक शादी नहीं करेगी। जब चौधरी आर्थिक रूप से मजबूत हो जाते और मामला लोगों की नजर से हट जाता, तब वे शादी करने वाले थे।

सिया का नीचे बैठना हत्या का सिग्नल

पुलिस के अनुसार, हत्या की प्लानिंग में यह भी शामिल था कि किले से धक्का देते समय सिया केतन की पहुंच से दूर रहे। दोनों ने तय किया था कि वह या तो पानी पीने के बहाने या जूते के फर्निटे बांधने के बहाने नीचे बैठेंगी। सिमनल जानबूझकर ऐसा चुना गया था ताकि धक्का देते समय सिया पीड़ित की पहुंच में न हों। उन्हें डर था कि अगर चेतन केतन को धक्का देता है और गिरते समय केतन सिया को पकड़ने की कोशिश करता।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ के लिए डेलीगेशन ऑफ फाइनेंशियल पावर्स-2026 (डीएफपी-2026) जारी किया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, नई व्यवस्था से रणनीतिक रक्षा परियोजनाओं में तेजी आएगी, स्वदेशी रक्षा तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा और सशस्त्र बलों में नई प्रणालियों की तैनाती तेज होगी।

डीआरडीओ को वित्तीय शक्तियां सौंपने की नई व्यवस्था की शुरुआत

रक्षा क्षेत्र में बड़ा गेमचेंजर! राजनाथ सिंह के फैसले से डीआरडीओ को मिलेगी नई रफ्तार

रणनीतिक परियोजनाओं में आएगी तेजी, उद्योग और शिक्षा जगत के साथ बढ़ेगा सहयोग

डिफेंस में बड़ा सुधार! रक्षा मंत्री ने जारी किया डीएफपी 2026, डीआरडीओ को मिली और ज्यादा वित्तीय ताकत

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को नई गति देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को बड़ा कदम उठाया। उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के लिए डेलीगेशन ऑफ फाइनेंशियल पावर्स-2026 (डीएफपी-2026) जारी किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह बड़ा सुधार डीआरडीओ की रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में दक्षता, जवाबदेही और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसके लागू होने से डीआरडीओ की ओर से विकसित रक्षा प्रणालियों, प्लेटफॉर्म और अत्याधुनिक तकनीकों का उत्पादन और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल करने की प्रक्रिया पहले से अधिक



तेज होगी। इससे रक्षा अनुसंधान से लेकर सेना तक तकनीकों के पहुंचने में लगने वाला समय कम होगा और परियोजनाओं का बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि नया वित्तीय ढांचा उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ डीआरडीओ के सहयोग को

और मजबूत करेगा। इससे रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य देश में अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों का स्वदेशी विकास सुनिश्चित करना है।

आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगा बल

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, संशोधित डीएफपी-2026 ढांचा देश की रक्षा तकनीकों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा तैयारियों को भी मजबूत करेगा। सरकार का मानना है कि यह सुधार भविष्य की रक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डीआरडीओ की कार्यक्षमता बढ़ाएगा और देश की सामरिक क्षमता को नई मजबूती प्रदान करेगा।

नए फ्रेमवर्क की खासियत

डीएफपी-2026 में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं, जैसे- ट्रायल, टेस्टिंग और इंवेल्पुएशन के लिए अलग वित्तीय प्रावधान, प्री-प्रोजेक्ट आर एंड डी गतिविधियों को मंजूरी देने का अधिकार। एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट्स, डिफेंस इनोवेशन एक्सीलेरेटर-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड (टीडीएफ) प्रोजेक्ट्स के लिए सहायता अनुदान से जुड़ी वित्तीय शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है।

ऐसे होंगे फायदे

- रक्षा मंत्रालय के अनुसार, नया फ्रेमवर्क डिफेंस रिसर्च प्रोजेक्ट्स की मंजूरी प्रक्रिया को तेज करेगा
- नए रक्षा सिस्टम, प्लेटफॉर्म और तकनीकों का उत्पादन और सेनाओं में शामिल करने की प्रक्रिया में तेजी आएगा
- इंडस्ट्री, स्टार्टअप और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग को मजबूत करेगा
- आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी रक्षा तकनीकों के विकास को बढ़ावा देगा
- देश की रक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगा

खबर संक्षेप

वेनेजुएला में सक्रिय हुआ भारतीय सेना का अस्पताल

काराकास। सदी के सबसे विनाशकारी (7.5 तीव्रता) भूकंप से जूझ रहे वेनेजुएला में भारतीय सेना



ने राहत कमान संभाल ली है। ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत काराकास के ला रिकोनाडा रैसट्रेक पर सेना का फील्ड अस्पताल पूरी तरह सक्रिय हो चुका है, जहां 24 घंटे मुफ्त इलाज मिल रहा है। वेनेजुएला के स्वास्थ्य उप-मंत्री ने भी इस शिबिर का दौरा कर भारतीय डॉक्टरों की सराहना की। ज्ञात हो कि इस भीषण आपदा में अब तक 1,450 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों घायल हैं। सेना पूरी ताकत से काम कर रही है।

हमले रोकने पर बनी

सहमति, कतर में वार्ता आज

वॉशिंगटन। पिछले 3 दिनों से जारी भीषण संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान फिलहाल एक-दूसरे पर



सैन्य हमले रोकने को तैयार हो गए हैं। दोनों देश 17 जून के समझौता प्रस्तावों पर बातचीत आगे बढ़ाएंगे, जिसके लिए आज यानी मंगलवार को कतर में तकनीकी स्तर की बैठक होगी। हाल ही में अमेरिका ने ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी बेस तबाह कर दिए थे। अब दोनों पक्ष होम्स स्ट्रेट से व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही पर सहमत हैं।

35 साल बाद यासीन मलिक पर चार्जशीट

श्रीनगर। कश्मीर में आतंकवाद के शुरुआती दौर के सबसे जघन्य अपराधों में शामिल कश्मीरी हिंदू



नरस सरला भट्ट के अपहरण और हत्या मामले में 35 वर्ष बाद बड़ी जांच कार्रवाई हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस को होम्स स्ट्रेट से मलिक तथा उनके सहयोगी खुर्शीद अहमद चालूक के खिलाफ 737 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया है। 19 अप्रैल 1990 को सरला भट्ट का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी।

संदिग्ध हमलावर गिरफ्तार जर्मनी के स्टाडे शहर में ताबड़तोड़ गोलीबारी, 5 लोगों की हुई मौत

एजेसी ►►बर्लिन

जर्मनी के उत्तरी शहर स्टाडे में सोमवार को हुई एक भीषण गोलीबारी की घटना में पांच वयस्कों की मौत हो गई। यह वारदात हैम्बर्ग के पश्चिम में स्थित करीब 50 हजार की आबादी वाले स्टाडे शहर में हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य संदिग्ध हमलावर समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, दूसरे व्यक्ति की इस घटना में क्या भूमिका थी, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अब इस मामले में कोई भी अन्य संदिग्ध फरार नहीं है।



घटना के तुरंत बाद ल्यूनेबर्ग पुलिस मुख्यालय ने सुरक्षा के लिहाज से स्थानीय लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की ताकि आपातकालीन सेवाएं सुचारु रूप से काम कर सकें। शुरुआती स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि गोलीबारी शहर के केंद्र में स्थित एक यूथ सेंटर के पास हुई, लेकिन पुलिस प्रवक्ता ने इन खबरों का खंडन करते हुए ।

खतरनाक साजिश रचने का खुलासा इजराइल पर मिसाइलों की बारिश करने की तैयारी में हैं हूती विद्रोही

एजेसी ►►यरुशलम

ईरान सीजफायर के बाद मध्य पूर्व में भले ही ऊपरी तौर पर शांति नजर आ रही हो, लेकिन पर्दे के पीछे यमन के हूती विद्रोही एक बड़े हमले की खतरनाक साजिश रच रहे हैं। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के हवाले से बड़ा खुलासा हुआ है कि हूती विद्रोही इस सीजफायर के शांत समय का इस्तेमाल अपनी मिसाइलों की ताकत, रेंज और मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, ताकि इजराइल को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाया जा सके। इजराइली अखबार यरुशलम पोस्ट



के मुताबिक, ईरान से सैन्य तकनीक हासिल करने वाले हूतियों ने हाल ही में कई गुप्त मिसाइल टेस्ट किए हैं। हालांकि गाजा सीजफायर के बाद से हूतियों ने इजराइल पर हमले काफ़ी कम कर दिए हैं और 28 मार्च के बाद से केवल 6 मिसाइलें और 5 ड्रोन दागे हैं, लेकिन यह शांति किसी बड़े तूफान से पहले की आहट मानी जा रही है।

यूरोप में गर्मी का तांडव: टूट रहे रिकॉर्ड

7 दिनों में 1300 मौतें, रेल पटरी और सड़क का डामर पिघला, गोला-बारूद फूटने का बड़ा खतरा

एसी और पंखों का टोटा जहां मिले वहां मची लूट

एजेसी ►►पेरिस

यूरोप इस समय भीषण हीटवेव (लू) की चपेट में है। हालात इतने बदतर हैं कि सड़कें पिघल रही हैं और रेल की पटरियां उखड़ रही हैं। पिछले महज 7 दिनों में इस जानलेवा गर्मी ने 1300 से अधिक लोगों की जान ले ली है। रात रात पाने के लिए नदियों और तालाबों का सहारा ले रहे हैं, जिसके कारण अकेले फ्रांस में दूधने से 55 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में साल 1947 के बाद पहली बार यहां पारा रिकॉर्ड 44.3 डिग्री सेल्सियस



तक पहुंच गया है। पेरिस में एक एथलेटिक्स ट्रैक पर युवक की और कार में फंसने से एक मासूम बच्चे की मौत हो गई। देश में अब तक 1000 से ज्यादा मौतें दर्ज हो चुकी हैं। पोलैंड के स्लुबिस् शहर में तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने 105 साल पुराना रिकॉर्ड (1921) का 40.2 डिग्री सेल्सियस तोड़ दिया है।

जर्मनी, ब्रिटेन और डेनमार्क भी बेहाल

जर्मनी के कोचेम में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहां के जंगलों में भयंकर आग लगी है, जिससे दूसरे विश्वयुद्ध के पुराने गोला-बारूद फटने का खतरा पैदा हो गया है। बिना एसी वाली ट्रेनों को बंद कर दिया गया है। उधर ब्रिटेन में पारा 36.1 डिग्री सेल्सियस और डेनमार्क में 36.6 डिग्री सेल्सियस छू गया है, जो सदियों पुराना रिकॉर्ड है।

भारत के सशस्त्र बलों ने परेड समारोह में भाग लिया

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

बीते 27 जून से जारी अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किए गए समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

जिसके लिए राष्ट्रपति डॉ. पैंट्रिक हर्मिनी ने उन्हें खास तौर पर आमंत्रित किया था। इस वर्ष सेशेल्स अपनी आजादी की स्वर्ण जयंती मना रही 50 वीं वर्षगांठ की जयन्त मना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी

सेशेल्स की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ में शामिल हुए पीएम मोदी, समारोह विक्टोरिया स्टेडियम में हुआ



इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। यह समारोह सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया के यूनिट स्टेडियम में हुआ था। विदेश

मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 2026 भारत और सेशेल्स के लिए कई मायनों में बेहद खास है। एक ओर हिंद महासागर क्षेत्र आईओआर में स्थित भारत का यह द्वीपीय देश अपनी स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। तो वहीं, दूसरी ओर इसी दौरान दोनों अपने राजनयिक संबंधों के भी पांच दशक पूरे होने का जयन्त मना रहे हैं। मालूम हो कि वर्ष 1976 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी सेशेल्स की यात्रा कर चुकी हैं। जिसके बाद लगभग चार दशक से अधिक वक्त बीत जाने के बाद की गई ।

संपन्न हुई प्रधानमंत्री की यात्रा, स्वदेश लौटे

दरअसल 29 जून को पीएम मोदी की सेशेल्स यात्रा का अंतिम दिन था। जिसमें उन्होंने विक्टोरिया में भारतीय सन्दायक के लोगों से मुलाकात करने के अलावा अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश की पूजा अर्चना की। इसके बाद विक्टोरिया के ही पौर पार्क में जाकर पीएम ने राष्ट्रपति महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रवासियों से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने उनसे बातचीत भी की। सभी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की सेशेल्स की यह यात्रा समाप्त हुई और वह स्वदेश रवाना हो गए। इसके पूर्व में हवाई अड्डे पर बड़ी तादाद में हाथों में तिरंगा लिपि पहुंचे भारतीयों ने उन्हें शानदार अवजंज में विदाई दी। पीएम ने सभी लोगों से हाथ मिलाने और उनके द्वारा दिए गए इस सम्मान के प्रति आभार जताया।

भारत से शामिल होंगे विदेश राज्य मंत्री और बिहार के राज्यपाल

पहले से तय विदेशी दौरे के चलते पीएम मोदी अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे

9 जुलाई को होगा अंतिम संस्कार

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली



पबित्रा मार्गेरिता सैयद अता हसनैन ग्रैंड मोसाल्ला कॉम्प्लेक्स में रखा जाएगा। इन समारोहों के तहत तेहरान और कोम में सार्वजनिक जुलूस निकाले जाएंगे। इराक के पवित्र शहरों नजफ और कर्बला में भी प्रार्थनाएं की जाएंगी। खामेनेई के गृहगृह सशहद में इमाम रजा दरगाह पर 9 जुलाई को अंतिम संस्कार की रस्म तय की गई है। बता दें कि ईरान की तीन दशकों से ज्यादा वक्त तक अगुवाई करने वाले अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को तेहरान पर अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों में मौत हो गई। उनकी मौत के बाद 8 मार्च को उनके बेटे मोजतबा हुसैनी खामेनेई ने ईरान के सुप्रीम लीडर का पद संभाला। हालांकि, कुछ सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के यह दावा करने के बाद कि वह कोमा में हैं, उनकी सेहत को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। ईरान ने इन दावों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।

भारत और ईरान के बीच मजबूत साझेदारी

भारत और ईरान के बीच दशकों से मजबूत साझेदारी रही है। युद्ध के दौरान तनाव के बाद भी भारत ने तेहरान के साथ में अपने संबंध बनाए रखे हैं। इस दौरान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच कई बार बातचीत हुई। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास असादघी ने इस साल की शुरुआत में एक बैठक के लिए भारत का दौरा किया था, जबकि अन्य प्रतिनिधि कुछ हफ्ते पहले ही भारत आए थे।

तीस्ता नदी परियोजना पर मंथन

भारत की चिंताओं के बीच चीन ने बांग्लादेश को दिया समर्थन, कहा- तीसरे पक्ष का प्रभाव न हो



निशाना नहीं बनाता है और इसे किसी भी बाहरी प्रभाव से मुक्त होना चाहिए। चीनी प्रवक्ता ने भारत की सुरक्षा चिंताओं से जुड़े अणु सवाल का जवाब देते हुए कहा कि तीस्ता नदी का प्रबंधन एक महत्वपूर्ण आजीविका परियोजना है, जिसे बांग्लादेश बेहद महत्व देता है। चीन इस परियोजना को सफल

बनाने के लिए हर संभव प्रयास और तकनीकी सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर् रहमान के अनुसार, दोनों देशों के विशेषज्ञ पहली बार इस परियोजना के लिए एक तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन करेंगे। नदी प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों पक्ष सहमत हो चुके हैं। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए जनवरी में बांग्लादेश जल विकास बोर्ड और चीन की सरकारी कंपनी पॉवर चाइना ने अपने समझौता ज्ञापन की अर्वांधि आगे बढ़ा दिया है।

गणेश मंदिर में की पूजा-अर्चना, महात्मा गांधी की प्रतिमा पर दी श्रद्धांजलि

भारतीय सेनाओं ने लिया परेड में हिस्सा

मंत्रालय के मुताबिक, सेशेल्स की आजादी के समारोह के दौरान हुई सैन्य परेड को यादगार बनाने के लिए भारत के सशस्त्र बलों की टुकड़ियों की भी उसमें भागीदारी रही। असम राइफल्स, भारतीय नौसेना और उसके मार्चिंग बैंड के जवानों ने परेड समारोह में भाग लिया। वहीं, समारोह में प्रधानमंत्री मोदी की भागीदारी दोनों देशों के बीच मौजूद गहरी साझेदारी और दीर्घकालिक मित्रता को प्रदर्शित करती है। सैन्य परेड में भारतीय दस्ते का शामिल होना दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी को दर्शाता है।

